RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt.
17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष-11, अंक-04, हिन्दी (मासिक), अप्रैल- 2024, पृष्ठ 16, मूल्य: 12:50 रु.

बैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएं

ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषि गोकुल ग्राम

गुजरात के कच्छ में तीन ब्लॉक के 12 गांव में बनाए 18 चेक डेम

किसानों के कल्याण के लिए कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की देशव्यापी परियोजना

SPECIAL STORY

सामाजिक बदलाव में ब्रह्माकुमारीज़ के बढ़ते कदम

इन गांवों में चेक डेम का किया गया पुनर्निर्माण

चेक डेम	गांव	तहसील
1	खरवा	अबडासा
1	नूनदातर	अबडासा
5	उस्तिया	अबडासा
1	राजपार	मांडवी
2	माव	मांडवी
1	मोती, माव	मांडवी
2	बैंरैया	मांडवी
1	डॉन	मांडवी
1	भारापार	नखत्राणा
1	देपा	मुंद्रा, भुज
1	कोटडा, रोहा	नखत्राणा, भुज
1	काठड़ा	मांडवी, भुज

माउंट आबू की ओरिया पंचायत बनी **बदलाव की मिसाल**

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)।

गांवों की दशा और दिशा बदलने के लिए कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग ने देशव्यापी ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना लांच की है। इसके तहत एक जिले में एक गांव को गोद लेकर, विभिन्न सामाजिक संगठनों और ग्राम पंचायत के सहयोग से सर्वांगीण विकास किया जाएगा। वहीं पंचायत स्तरीय नौ संकल्पों के साथ धरातल पर मूर्तरूप दिया जाएगा। परियोजना पर काम भी शुरू हो गया है। इसका परिणाम है कि ब्रह्माकुमारीज़ के मार्गदर्शन में जल जन अभियान के तहत सामाजिक संगठनों के सहयोग से गुजरात के कच्छ जिले के तीन ब्लॉक के 12 गांव में 18 चेक डेम का पुनर्निर्माण किया गया है। इन गांवों में पहले ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता था, वहीं अब आसानी से घरेलू उपयोग और मवेशियों के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है।

इधर, राजस्थान माउंट आबू की ओरिया ग्राम पंचायत के तीन गांवों को गोद लेकर उनकी तकदीर बदल दी गई है। ओरिया गांव में पहले जगह-जगह कचरे का अंबार लगा रहता था, अब सड़क के दोनों ओर पौधे, स्वच्छ दीवारें और साफ-सफाई से गांव की सुंदरता बढ़ती जा रही है।

इस परियोजना को कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा राजस्थान सरकार के सहयोग से सरकारी स्तर पर लागू करने की तैयारी की जा रही है। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इसे गांवों के विकास और उन्नति के लिए आदर्श मॉडल बताया है। कृषि मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मिलकर इसे धरातल पर मूर्तरूप देने की तैयारी अंतिम दौर में है।

गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए नौ संकल्पों पर करेंगे काम

- स्वच्छ एवं हरित पंचायत
- पर्याप्त जल संसाधन युक्त पंचायत
- महिला हितैषी पंचायत
- बाल हितैषी पंचायत
- स्वस्थ पंचायत
- गरीबी मुक्त एवं आजीविका युक्त पंचायत
- ढांचागत आत्मनिर्भर पंचायत
- सामाजिक सुरक्षित एवं न्याय पूर्ण पंचायत
- सुशासन युक्त पंचायत

ब्रह्माकुमारीज़, ग्राम पंचायत और सामाजिक संगठनों के सहयोग से 12 गांव में पेश की मिसाल

ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना, जल जन अभियान के तहत गुजरात के कच्छ जिले के 12 गांवों में जल संरक्षण को लेकर अनुकरणीय कार्य किया गया है। इन गांवों में पहले जहां गर्मी में चेक डेम सूखे पड़े रहते थे, वहीं अब सालभर पानी उपलब्ध होने से मवेशी और घरेलू उपयोग के लिए परेशानी खत्म हो गई है। आकार चैरिटेबल ट्रस्ट, ग्लोबल कच्छ के सहयोग से कच्छ जिले के अबडासा, मांडवी और नखत्राणा ब्लाक के 12 गांव में चेक डेम का पुनर्निर्माण किया गया है। सभी को एक मंच पर लाकर इस कार्य को अंतिम रूप देने में ब्रह्माकुमारीज़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संकल्प 1: स्वच्छ एवं हरित पंचायत

इस संकल्प के तहत गांव में व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, ठोस कचरा, तरल कचरा और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, गोबर-धन एवं मलीय कचरा प्रबंधन करना शामिल है।

हरित गांव: ब्रह्माकुमारीज़ की कल्पतरुह परियोजना के तहत पौधारोपण अभियान, सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण करना, किसानों को आर्थिक सहायता के लिए फल एवं औषधीय पौधे वितरित करना, बीज बैंक एवं गांव की अपनी नर्सरी का निर्माण करना और खाद बनाना शामिल है। साथ ही सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने का संकल्प शामिल है।

स्वच्छ गांव: गांव के गंदे स्थानों को सेल्फी पाइंट में बदलना, सड़क की सफाई, कूड़ेदान का वितरण, स्थानीय कला के साथ सौंदर्यीकरण अभियान, प्रेरणादायक नारे और ओडीएफ पंचायत बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषि गोकुल ग्राम

संकल्प 2: पर्याप्त जल संसाधन युक्त पंचायत

दूसरे संकल्प पर्याप्त जल संसाधन युक्त पंचायत के तहत भूजल प्रबंधन के लिए मैजिक सोक पिट का निर्माण, छत पर वर्षा जल का संरक्षण, तालाबों को साफ और गहरा करना, चेक डेम-जल संचय के स्त्रोतों का निर्माण करना, कृषि में सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का परिचय देना और घरेलू उपयोग में जल संरक्षण का महत्व समझाना शामिल है। इन कार्यों को मूर्तरूप देने के लिए गांव स्तर पर मजबूत स्थानीय समितियों का गठन किया जाएगा।

संकल्प 6 : गरीबी मुक्त एवं आजीविका युक्त पंचायत

छठें संकल्प के तहत गरीबी मुक्त एवं आजीविका युक्त पंचायत का निर्माण करना है। इसके तहत प्राकृतिक शाश्वत यौगिक खेती का प्रशिक्षण देना, बागवानी को बढ़ावा देना, बाजार संपर्क बनाना, पारंपरिक कला को बढ़ावा देना, कृषि उपज का मूल्यवर्द्धन, क्षमता निर्माण और मनरेगा का प्रभावी क्रियान्वयन करना शामिल है।

संकल्प 3: महिला हितैषी पंचायत

तीसरे संकल्प के तहत महिला हितैषी पंचायत को बढ़ावा देना है। इसके लिए महिला पंचायत बनाना, स्वयं सहायता समूह, प्राकृतिक रंगाई और छपाई एवं विभिन्न कौशल प्रशिक्षण, किचन गार्डन की तैयारी के लिए प्रशिक्षण, श्रीअन्न (मिलेट्स) आधारित खाद्य उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा महिला ग्राम सभा का अलग से आयोजन करके गांव में महिलाओं को होने वाली समस्याओं का समाधान तलाशना, उन्हें दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करना शामिल है।

बालिका शिक्षा पर जोर: इसके तहत कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, पोषण एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन कौशल, स्वास्थ्य एवं प्रजनन स्वास्थ्य, रोजगार एंव उद्यमिता, महिलाओं को अधिकार एवं कानून शिक्षा, संपत्ति का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा को शामिल किया गया है।

संकल्प 7 : ढांचागत आत्मनिर्भर पंचायत

सातवें संकल्प के तहत ढांचागत आत्मनिर्भर गांव का निर्माण करना शामिल है। इसके लिए निर्माण और रखरखाव, स्कूल और शौचालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, सड़कें, स्वास्थ्य केंद्र, जल संरक्षण संरचना का निर्माण करना शामिल है। इन कार्यों को मूर्तरूप देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका ग्राम पंचायत सरकार की है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा सामाजिक संगठनों की मदद लेकर बदलाव में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

संकल्प 4 : बाल हितैषी पंचायत

चतुर्थ संकल्प के तहत बाल हितैषी गांव पर जोर देना शामिल है। इसके लिए इको और यूथ क्लब की स्थापना करना, बच्चों के लिए खेल आधारित शिक्षण गतिविधियां का संचालन, मूल्य शिक्षा, डिजिटल कक्षाओं की उपलब्धता, शैक्षणिक संस्थानों में शौचालय और मनोरंजन क्षेत्र की स्थापना, आंगनवाड़ी सुविधा का निर्माण शामिल है।

इन पर करेंगे काम- शिशु मृत्यु दर कम करना, पूर्ण टीकाकरण, एनेमिया, पूर्ण प्राथमिक शिक्षा, बालिका शिक्षा, बाल विवाह, बाल हिंसा, अनाथ, घूमंतू परिवारों के बच्चे, भेदभाव, लैंगिक अपराध और दिव्यांग बच्चों के लिए जरूरी सुविधाओं पर काम करना शामिल है।

संकल्प 8 : सामाजिक सुरक्षित एवं न्याय पूर्ण पंचायत

आठवें संकल्प के तहत सामाजिक सुरक्षित एवं न्याय पूर्ण पंचायत का निर्माण करना है। इसके लिए नशामुक्ति अभियान, मूल्यों पर आधारित संवाद, आध्यात्मिक उत्थान, डिजिटल डिटॉक्स, लैंगिक समानता, शांति और खुशी के माहौल का निर्माण करना शामिल है। इसके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शैक्षणिक उत्थान योजनाएं, महिला, बाल कल्याण एवं वृद्ध कल्याण, आर्थिक उत्थान की योजनाएं शामिल हैं। इसके लिए पात्रों का चयन एवं सेवाओं तक पहुंच, कार्य के समान अवसर, मजबूत एवं सक्रिय स्थायी समितियां, गरीब एवं वंचितों की पहचान के मापदंड करना शामिल है।

संकल्प 5 : स्वस्थ पंचायत

पांचवें संकल्प के तहत स्वस्थ पंचायत के लिए कार्य करना शामिल है। इसके लिए शारीरिक योग और राजयोग ध्यान के कार्यक्रम आयोजित करना, स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर आयोजित करना, सरकार की सभी संबंधित योजनाओं से ग्रामीणों को जोड़ना, पोषण उद्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम और यौगिक गृह वाटिका का निर्माण करना की योजना शामिल है। आंगनवाड़ी पर बच्चों के वजन और कद की निगरानी, गर्भवती महिलाओं की नियमित ट्रैकिंग और जांच, जल जनित बीमारियों को रोकने के प्रबंध करना एवं आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रियता भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है।

संकल्प 9 : सुशासन युक्त पंचायत

नौवें संकल्प के तहत सुशासन युक्त पंचायत का निर्माण करना शामिल है। इसके लिए प्रोद्यौगिकी, टीम वर्क, समयबद्ध, पारदर्शिता, परिवर्तन शामिल है। कार्यशाला द्वारा पूरी पंचायत टीम की एकता, प्रामाणिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना, सभी सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना, आत्मनिर्भर गांव बनाने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करना, पूरे गांव को एकजुट कर प्रगति के लिए कार्य करना शामिल है।

ब्रह्माकुमारीज़ राजऋषि गोकुल ग्राम

सामूहिक प्रयासों से बदल रहा ओरिया ग्राम

- गांव में घर-घर दो-दो डस्टबिन बांटे
- चौक-चौहारों पर किया रंग-रोगन
- सार्वजनिक स्थानों पर रखे डस्टबिन

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों से राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों से ओरिया ग्राम पंचायत की सूरत बदल गई है। पहले जहां गांव में जगह-जगह गंदगी और कूड़ा-कचरा डला रहता था, वहीं अब चारों ओर स्वच्छता दिखाई देती है। गांव के चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण होने से अब नजारा बदल गया है। इस कार्य में ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग और रेडियो मधुबन द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

कृषि प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके राजू भाई ने बताया कि प्रभाग की ओर से राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना के तहत ग्राम ओरिया को आदर्श ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल गांव में घर-घर 600 डस्टबिन बांटे गए हैं। लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि डस्टबिन में ही कचरा डालें। गांव में जगह-जगह सार्वजनिक स्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर 26 बड़े डस्टबिन रखे गए हैं। 80 लीटर के 30 कूड़ेदान विद्यालय, मंदिर आदि स्थानों पर रखवाए गए हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि गांव को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए इनका उपयोग करें। इधर-उधर कचरा नहीं डालें। इस परियोजना के समन्वयक बीके चंद्रेश भाई के अथक प्रयासों और लगन से यह सब संभव हो पा रहा है।

सरपंच ने ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयासों को सराहा

सरपंच शारदा देवी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयासों से दिनोंदिन गांव की सूरत बदलती जा रही है। संस्थान द्वारा बहुत ही अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। गांव के प्रमुख स्थानों पर रंग-रोगन होने और साफ-सफाई होने से आकर्षित लगने लगे हैं। इस कार्य में ग्राम पंचायत की ओर से भी पूरा सहयोग किया जा रहा है।

उपसरपंच तरुण सिंह ने गांव वालों से आह्वान किया कि ग्राम पंचायत और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान गांव के उत्थान के लिए जो प्रयास कर रही है उसमें अपना अमूल्य सहयोग दें, तभी हमारा गांव हर क्षेत्र में मिसाल बन पाएगा।

विकास की तस्वीर

600 डस्टबिन पूरे गांव में घर-घर बांटे

26 बड़े डस्टबिन सार्वजनिक स्थानों पर रखे गए

30 डस्टबिन स्कूल, मंदिर आदि स्थानों पर रखे

कचरा प्रबंधन का बता रहे महत्व

ब्रह्माकुमारीज़ के ठोस कचरा प्रबंधन विशेषज्ञ संजय कुमार कचरा प्रबंधन का महत्व बात रहे हैं। गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करने का तरीका लोगों को सिखाया गया है। इस कार्य में रेडियो मधुबन के बीके यशवंत भाई, प्रभाग के बीके सुमन्त भाई, बीके शशिकान्त भाई, बीके करन भाई, बीके शंभू भाई का गांव के कायाकल्प में विशेष योगदान है।

पौधे लगाकर जालियों से किया कवर : ओरिया और सालगांव में सड़क के दोनों ओर पौधारोपण किया गया। साथ ही इनकी सुरक्षा के लिए जालियों से कवर किया गया है, ताकि जानवरों से सुरक्षा हो सके। वहीं पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत निभाएगी।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शुरु की गई राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना का मकसद है गांवों का सर्वांगीण विकास के साथ हमारे किसान भाइयों का जीवन स्तर ऊंचा उठाना। हर स्तर पर उन्हें जागरुक, शिक्षित और प्रशिक्षित करके कम लागत में अधिक उत्पादन, ग्रामीण उद्योगों को प्रति प्रेरित करना है। ओरिया ग्राम को आदर्श प्रकल्प ग्राम बनाने की दिशा में संस्थान की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गांव का सर्वांगीण विकास हो, इसके लिए लगातार प्रभाग के भाई-बहनें प्रयासरत हैं। इस कार्य में गांव वालों और ग्राम सरकार का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।

- बीके सरला दीदी, अध्यक्षा, कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग

ब्रह्माकुमारीज़ आदर्श गौशाला

ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय आबू रोड में आदर्श गौशाला बनाई गई है। इसमें देशी गायों को रखा गया है। गौशाला का प्रबंधन आदर्श रूप में किया गया है। यहां मवेशियों को सभी तरह की सुविधाएं प्रदान की गई हैं। उन्हें हवा से लेकर घूमने-फिरने की व्यवस्था की गई है। साथ ही साफ-सफाई और पौष्टिक आहार का विशेष ध्यान रखा जाता है। समय प्रति समय डॉक्टर्स द्वारा चेकअप किया जाता है। गौशाला देखने आने वाले पर्यटक यहां की व्यवस्था और प्रबंधन को देखकर सराहना करते हैं कि ऐसी गौशाला सभी जगह स्थापित होना चाहिए। राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना में आदर्श गौशाला स्थापित करने पर भी जोर दिया जाएगा।

रियल लाइफ

सुख और शांति हमारा ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार है

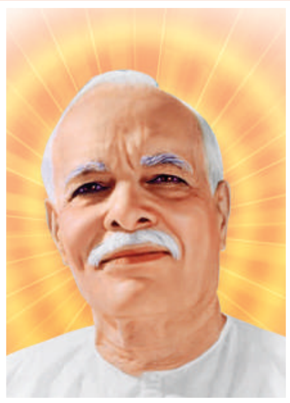

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

यह बच्चा अच्छा है, यह अच्छी तरह धारणा करके बहुतों का कल्याण करेगा, यह मीठा बच्चा है।

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारी कुंज जी जो कि पटना में ज्ञान और योग की शिक्षा देती थीं ने लिखा है - जिज्ञासु जितने दिन यज्ञ में रहते थे, उनकी मनोस्थिति ससार से न्यारी और प्यारी हो जाती थी। उन्हें न दिन याद रहता था, न तिथि, मानो वे काल की परिधि से ऊपर उठ गये महसूस करते थे। उन्हें ऐसा लगता था जैसे कि वे आज ही तो यज्ञ में आये हैं। परन्तु उन्हें यह भी अनुभव होता था कि वे तो पहले से ही इस दैवी परिवार के अथवा बाबा के है। जब पहली बार वे बाबा से मिलते थे तब बाबा उनसे पूछते भी थे -'बच्चे, क्या पहले भी कभी बाबा से मिले हो?

जिज्ञासु का बाबा से मधुर संवाद...

जिज्ञासु उत्तर देते हाँ बाबा, 5000 वर्ष पहले भी आप से मिले थे। बाबा कहते- क्या यह पक्का निश्चय है कि यहीं, इसी स्थान पर, आज के दिन हूबहू ऐसे ही मिले थे? भला कितनी बार बाबा को पहले भी मिल चुक हो?

जिज्ञासु कहते -बाबा, हमें पूरा निश्चय है कि हम आपके बिछड़े हुए बच्चे कल्प-कल्प आपसे हूबहू इसी तरह मिलते रहे हैं। बाबा, ज्ञान के आधार पर हम जानते हैं कि हम अनगिनत बार आपसे मिल चुके हैं। बाबा कहते -अच्छा यह तो बताओ कि आपके कितने बच्चे, जिज्ञासु के जितने बच्चे होते, वह बता देता। तब बाबा कहते -क्या, शिव बाबा को भुला दिया है? क्या परमात्मा को अपना वारिस नहीं बनाया है? जब तक उसको वारिस नहीं बनाओगे तब तक उससे वर्सा कैसे लोगे?

बाबा की ये बातें सुनकर सभी हंस पड़ते। जिज्ञासुओं का अपने दैहिक बच्चों से मोह निकाल कर परमपिता शिव की ओर मन को लगाने की बाबा की ये रमणीक युक्तियां थीं। फिर बाबा पूछते- क्या आप कभी रोयेंगे तो नहीं? जिज्ञासु बोलते-नहीं बाबा,अब हम कभी नहीं रोयेंगे।

मुस्कुराकर बाबा कहते-सच कहते हो? क्या पति मरे या पत्नी मरे, बच्चा मरे, कुछ भी हो जाए, कभी नहीं रोयेंगे? वे कहते -नहीं बाबा, अब हम कभी नहीं रोयेंगे। बाबा कहते - यह बच्चा तो सचमुच देही-अभिमानी और नष्टोमोहा है। हां बच्चे, जब तुम्हें शिव बाबा मिल गया है तो रोने की तो कोई बात नहीं रह जाती। तुम आत्मा को तो अविनाशी पति परमात्मा मिला है।

इस प्रकार, बाबा भिन्न-भिन्न रीति से जिज्ञासुओं को देही-निश्चय (सोल कॉन्सियशन) बनाते रहते। वे उनसे पूछते - अच्छा यह तो बताओ, आप विजिटर हो या वारिस (बच्चे) हो? देखो विजिटर वे होते हैं जो यहां बाबा को केवल देखने के लिए आते हैं। वारिस वे कहते हैं जो बाबा के बच्चे बन जाते हैं।

जिज्ञासु कहते -बाबा, हम तो आपके बन चुके हैं। हम तो वारिस हैं। हमने ज्ञान द्वारा शिव बाबा को पहचान लिया है और अब सुख-शान्ति का खज़ाना, जोकि हमारा ईश्वरीय जन्म-सिद्ध अधिकार है, वह हम उनसे लेकर ही छोड़ेंगे।

प्रातः क्लास में मुरली सुनने के बाद बाबा इस प्रकार बच्चों को चेम्बर में अनौपचारिक रीति से ज्ञान की वार्ता करते थे। वे उन्हें बहुत ही प्यार से अपने हाथों से प्रसाद भी खिलाते जिसे कि वे टोली कहते थे। हाथ में देने की बजाय जैसे छोटे-छोटे बच्चों को वृद्ध दादा मुख में कोई मीठी चीज़ खिलाते हैं, वैसे ही वे भी मुख में मीठी-मीठी टोली देते थे। साथ-साथ मीठी दृष्टि से देखते रहते, मीठी-मीठी बातें करते रहते। वे कभी माथा चूम कर कहते- यह बच्चा अच्छा है, यह अच्छी तरह धारणा करके बहुतों का कल्याण करेगा। यह मीठा बच्चा है, यह बहुतों को सुख देगा। इस प्रकार वे माया पर विजय प्राप्त करने का बल भर देते।

बुजुर्ग माताओं और बुजुर्ग भाईयों को देखकर वे कहते - ये हम शरीक (हमारे जैसे) हैं। ये अनुभवी हैं, ये किसी को ज्ञान सुनायेंगे तो इन्हें शोभेगा क्योंकि ये बुजुर्ग हैं। ये घर को सच्चा-सच्चा आश्रम बना सकते हैं। इस प्रकार वे कुमारों, कुमारियों सभी को अनेकानेक युक्तियों से ज्ञान के नशे में झुलाते रहते। फिर वे सभी को पर्वत पर घुमाने ले जाते थे। **(क्रमशः)**

प्रेरणापुंज

बाहर से अच्छा दिखाना, अंदर से दूसरा रहना यह भी ठगी है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हमारे ईश्वरीय स्नेह की शक्ति उसको बल दे, उसके निर्बलता का असर ग्लानि के रूप में हमारे अन्दर न आए। किसी का प्रभाव हमारे ऊपर न पड़े, बाबा की महिमा को सदा याद रखें। देवताओं से भी ज्यादा महिमा ऊंच ते ऊंच भगवान की है जिसने उन्हें ऐसा बनाया। अगर कोई-बाबा का अच्छा बच्चा है तो उसको अच्छा बनाने वाला कौन? हमारा बाबा। हर बात से अपने मन को खाली करके, बाबा को दिल में बिठाना, औरों को दिल से बाबा की याद दिलाना। जो हमारे दिल में बात होगी वहीं सेवा में आएगी। वहीं संग-सम्पर्क में आएगी। दिल और मन का आपस में गहरा कनेक्शन है, जो कर्म में जरूर आता है। कोई कहे मेरे दिल में कुछ नहीं था, पता नहीं क्यों हुआ! इम्पासिबुल है। दिल की अच्छी भावना है तो अच्छा होगा जरूर, उसमें शक की बात है ही नहीं। हमारी भावना अच्छी हो, उसमें शक लाना यह भी भूल है। भावना अच्छी है तो होगा जरूर।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

अपने आपको बहुत समझ से चलाना है। अपने आपको नहीं ठगना है। ठगी करने का संस्कार भी बहुत पक्का हो गया है। चोरी का पता पड़ जाता है लेकिन ठगी का पता नहीं पड़ता है। अपने आपको दिखाते हैं कि मैं कोई ठगी नहीं करता लेकिन वह बड़े होशियार होते हैं। कई बातों को मिक्स कर देंगे। ठगी करने वाला यह नहीं समझता कि मैं अपने आपको ठगता हूं। भगवान से ठगी करते, बाहर से अच्छा दिखाना, अन्दर से दूसरा रहना यह भी ठगी है। अन्दर बाहर साफ रहना, यह बाबा को बहुत पसन्द आता है।

बाबा को प्रत्यक्ष करना बड़ा सहज है, जितनी हमारी अंदर बाहर सफाई-सच्चाई है। मिक्स नहीं है तो बाबा को प्रत्यक्ष कर सकते हैं।

दुनिया वाले भी, भगवान को न मानने जानने वाले भी समझें यह अन्दर बाहर साफ हैं। इतनी हर इंसान को समझ है। जान जाते हैं यह अन्दर बाहर साफ है या नहीं है, यह फीलिंग आती है। जब संकल्प आता है बाबा को प्रत्यक्ष करें। बाबा को प्रत्यक्ष करना बड़ा सहज है, जितनी हमारी अन्दर बाहर सफाई-सच्चाई है।, कर्म में, संकल्प में, वचन में जरा भी ठगी नहीं है, मिक्स नहीं है तो बाबा को प्रत्यक्ष कर सकते हैं।

अपने आपको अच्छी तरह से पहचानूं तो कहेंगे मैं योगी हूं। देवता धर्म वाली आत्मा हूं। घर जाने की तैयारी में लगी हूं। कोई भी बात में जरा भी आकर्षण नहीं होगी, संसार समाचार सुनने का भी ख्याल नहीं आएगा। यह समाचार सुनूं कैसा है, क्या है? उससे भी ऊपर में सतयुग में कोई दैवीगुण आपे ही नहीं आ जाएंगे, यहां धारण करने पड़ेगे। दैवीगुण सतयुग में नेचरल होंगे, लेकिन धारणा यहां की होगी। कोई सांसारिक सुखों की आकर्षण न हो। यहां जो दुःख-सुख, हार-जीत होती है उसमें भी समान रहूं। सहनशीलता हो, सन्तुष्ट रहूं। अन्दर ही अन्दर अपने श्रेष्ठ संकल्प कर्म से अपना अच्छा भाग्य बनाने की धुन में रहूं और किसी को देखूं तो अच्छी मीठी रूहानी दृष्टि से देखूं। **क्रमशः**

अव्यक्त इशारे

एवररेडी रहना माना आलस्य और अलबेलापन छोड़ना

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

एक होता है मजबूरी से सहन करना, एक होता है बाबा की आज्ञा है कि तुमको सहनशक्ति धारण करना है।

कई कहते हैं दो हजार तक तो चलेगा, अरे दो हजार तक वर्ल्ड का विनाश हो लेकिन तुम्हारा विनाश कब होगा वह डेट है? बाबा तो कहता है मैं डेड कॉन्सेस बनाऊंगा ही नहीं। इतना भी बाबा ने कहा- अगर किसको पूछना है तो भले मेरे ज्योतिषी बच्चों से पूछो। उन्हों का काम वह करेंगे। मैं भी वहीं काम करूं जो ज्योतिषियों का है। मैं यह करने वाला हूं ही नहीं, सीधा जबाव बाबा ने दिया। मुझे डेड कॉन्सेस बनाना नहीं है। मैं सोल कॉन्सेस बनाने आया हूं, इसलिए एवररेडी रहो। एवररेडी माना क्या डेट देखनी है- दो हजार, तीन हजार, चार हजार विनाश तो जब होना होगा, हो जाएगा मैं पहले एवररेडी रहूं। एवररेडी रहना माना आलस्य और अलबेलापन छोड़ना। रॉयल रूप में भी अलबेलापन आ जाता है। अलबेलापन वाला अलर्ट कभी नहीं हो सकता है। जो चाहे वह करके दिखावे, वह नहीं हो सकता है। इसलिए बाबा ने कहा - चाहना और करना एक करो। अभी अपने में लग जाओ। दूसरों को बहुत देख लिया, बहुत सुन लिया। द्वापर से कथाएं सुनीं, अभी भी कथाएं ही सुनेंगे क्या! व्यर्थ बातें क्या हैं? अपने में मगन हो जाओ बस, अभी तो बाबा का एम ही यह है - अपनी घोट तो नशा चढ़े। अपना मनन, अपना शुभ चिन्तन, अपना रियलाइजेशन। समय पूछकर आना नहीं है और समय के ऊपर आधारित होंगे तो रिजल्ट हमारी अच्छी नहीं होगी। इसलिए रियलाइजेशन शब्द को अंडरलाइन करो। रियलाइज करो अपने को, अपने द्वारा औरों को आपे ही पहुंचेगा। बस, अन्तर्मुखी हो जाओ। बाहरमुख से सब देख लिया, अब इससे बेहद का वैराग्य। मैं और मेरा बाबा, बस। बाबा दे रहा है और मैं ले रहा हूं और जो ले रहा हूं, वह नेचरल है दूसरों तक जाएगा। जैसे सूर्य है उससे किरणें नहीं फैलें, यह हो ही नहीं सकता। अगर मेरे में शक्ति है, हमारी शक्ति नहीं फैले - यह हो ही नहीं सकता। जब प्रकृति की लाइट फैलती है, मैं तो रचता हूं क्यों नहीं मेरे वाइब्रेशन लाइट-माइट क्यों नहीं फैलेगी। थोड़ा सा अन्तर्मुखी होकर इस बात के ऊपर हम सभी का अटेन्शन जाना चाहिए और जाएगा तो अपना ही फायदा है। नुकसान भी अपना है, फायदा भी अपना है। **क्रमशः**

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

बाबा की आज्ञा है सहनशक्ति धारण करो...

कइयों में सहनशक्ति है, सहन करते रहते हैं। लेकिन सहन करना भी दो प्रकार से होता है। एक होता है मजबूरी से सहन करना, एक होता है बाबा की आज्ञा है कि तुमको सहनशक्ति धारण करना है। यदि हम बाबा की आज्ञा मानते हैं तो उसकी खुशी हमारे अन्दर आ जाती है। मजबूरी से करते हैं तो अन्दर रोते रहेंगे बाहर से सहन करते रहेंगे। उसका फल नहीं मिलेगा, खुशी नहीं होगी। सचमुच बाबा की श्रीमत समझ कर हमने सहन किया तो उसी समय खुशी होती है। भले लोग समझें कि इसकी हार हुई, इसकी जीत हुई है। लेकिन वह हार भी हमको खुशी दिलाती है, क्योंकि परमात्मा के आगे तो ठीक रही।

अपने जीवन का एक अवगुण परमात्मा को अर्पण कर दें: राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

महाशिवरात्रि पर्व ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के विश्वभर में स्थित सेवाकेंद्रों पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के रूप मनाया गया। शहरों से लेकर गांवों में शिव ध्वजारोहण कर शिव ध्वज के नीचे सभी ने एक स्वर में अपने जीवन की बुराइयों को परमात्मा पर अर्पण करने और एक श्रेष्ठ संकल्प लेकर उसे जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

वहीं मुख्यालय शांतिवन में महोत्सव में शामिल होने के लिए देश-विदेश से 20 हजार से अधिक लोग शांतिवन पहुंचे। शिवरात्रि पर अलसुबह 3 बजे से विशेष योग-साधना का दौर शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी, महासचिव बीके निर्वैर भाई व अन्य वरिष्ठ बीके भाई-बहनों ने शिव ध्वजारोण किया। डायमंड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सभी दादी-दीदियों ने दीप प्रज्वलन कर महोत्सव का शुभारंभ किया।

दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज के दिन सभी अपने जीवन का कोई एक अवगुण, कोई बुराई, नकारात्मक विचार परमात्मा को अर्पण, दान कर दें और उससे सदा के लिए मुक्त हो जाएं। दान की गई चीज फिर वापस नहीं ली जाती है, इसलिए उससे सदा के लिए मुक्त हो जाएंगे। साथ ही जीवन को आगे बढ़ाने के लिए, सफलता प्राप्त करने के लिए कोई एक सद्गुण को धारण करने का संकल्प लें तो आपका जीवन खुशनुमा बन जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने कहा कि परमात्मा कहते हैं कि मेरे बच्चों तुम मुझ पर कांटे समान बातें, बुराई दे दो और बदले में मुझे सद्गुण, दिव्य गुण, विशेषता और वरदान ले लो। परमात्मा के समीप जाने के लिए हमें उनकी शिक्षाओं को जीवन में धारण करना होगा। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने कहा कि खुशी की बात है देश-विदेश से हजारों की संख्या में भाई-बहनें शिवरात्रि पर्व मनाने के लिए यहां पहुंचे हैं। सभी यहां एक अवगुण छोड़कर जाएं।

इसलिए माउंट आबू खिंचे चले आते हैं शिव के उपासक...

ब्रह्माकुमारीज़ में मुख्य रूप से परमपिता शिव परमात्मा की आराधना, ध्यान किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ की फिलॉसफी में परमात्मा को सर्वोच्च माना गया है। संस्थान से जुड़ने वाले साधक राजयोग ध्यान के जरिए परमात्मा शिव का ध्यान करते हैं। सबसे बड़ी बात राजयोग ध्यान खुली आंखों से किया जाता है। राजयोग परमात्मा से संवाद करने की एक कला और विधि है। इसलिए हर साल संस्थान से जुड़े हजारों विदेशी महाशिवरात्रि पर्व पर माउंट आबू पहुंचते हैं। वह यहां 10 से 15 दिन रहकर विशेष योग साधना करते हैं। उनकी साधना का दौर अलसुबह 3 बजे से शुरू हो जाता है। इस वर्ष भी माउंट आबू के ज्ञान सरोवर, पांडव भवन और शांतिवन में रसिया, जापान, यूक्रेन, यूके समेत कई देशों के शिव उपासक पहुंचे। महाशिवरात्रि पर विदेश से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने ब्रह्ममुहूर्त में राजयोग ध्यान साधना की। साथ ही अपने जीवन की बुराइयों को परमात्मा पर अर्पण करने का संकल्प किया।

संपादकीय

ज्ञान-योग से जीवन के वित्तीय लेखा-जोखा को संतुलित करें

साधारणतः हम सभी हर वित्तीय वर्ष में अपने रजिस्टर से हिसाब-किताब देखकर पुराने चुक्तु कर नए सिरे से आरम्भ करते हैं। इस बार हम आध्यात्मिक ज्ञान-योग से अपने ज्ञान धन और दुआओं का स्टॉक बढ़कर इसे संतुलित, संयमित और संयोजित कर सकते हैं। इसके लिए हम परमात्मा पिता से जो अविनाशी ज्ञान धन मिल रहा है उसे अधिक से अधिक अर्जित कर अपने पाप-पुण्य का हिसाब-किताब सेटलमेंट करने का संकल्प लें। परमात्मा कहते हैं कि हमारे हिसाब तीन प्रकार से चुक्तू होते हैं -एक योगबल अर्थात जब हम स्वयं को आत्मा समझ कर परमात्मा को याद करते हैं। उससे हमारे पाप नष्ट होते हैं। दूसरा भोगबल अर्थात शारीरिक बीमारी जो आती है उससे हमारे हिसाब चुक्तू होते हैं। तीसरा जब हम उस आत्मा को आत्मिक सुख देते हैं तो हमारे कर्मों का लेखा-जोखा ठीक होता जाता है। इसलिए हमें सहर्ष अपने जीवन में इसे संतुलित करना चाहिए। निरंतर योगबल जमाकर अपने जीवन में पुण्य और दुआओं का खाता बढ़ाते जाना है। सर्व आत्माओं के प्रति कल्याणकारी, शुभ चिंतन, शुभ भावना और शुभकामना रखनी है। अपने ज्ञान, गुण और शक्तियों का खाता बढ़ाते हुए सभी पर रहम कर दान करते जाना हैं। जिससे हम 21 जन्मों के लिए आने वाली नई सतयुगी दुनिया में सुख -शांति से जीवन व्यतीत कर सकें।

बोध कथा/जीवन की सीख

नेकी का फल

एक गांव नीलू नाम का लड़का रहता था। नीलू गरीब था, लेकिन उसका दिल बड़ा ही उदार था। वह गरीबों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहता था। एक दिन, नीलू ने अपने गांव के एक साधु को देखा जो गहन तपस्या कर रहे थे। नीलू ने साधु के पास जाकर

प्रणाम किया और पूछा- बाबा, आप इतनी कठिन तपस्या क्यों कर रहे हैं? साधु ने हंसते हुए कहा - बेटा, मैं इस तपस्या से आत्मा को शुद्ध कर रहा हूं और मुक्ति प्राप्त करने का प्रयास कर रहा हूँ। नीलू ने सोचा- बाबा तो इतनी तपस्या कर रहे हैं, मुझे भी कुछ करना चाहिए। उसने तय किया कि वह भी तपस्या करेगा। नीलू ने अपने गांव के पास एक पुराना वृक्ष देखा, जिस पर कुछ बर्फबारी के कारण पौधे सूख गए थे। उसने वहां जाकर उसे पानी देना शुरू किया। हर दिन, वह उस वृक्ष के पास जाकर पानी देता और उसका ध्यान रखता। कुछ महीनों बाद, वृक्ष में फिर से हरी-भरी पत्तियां उगना शुरू हो गईं। नीलू का दिल खुशी से भर गया।

एक दिन, जब वह साधु के पास गया और उसने अपनी कठिन तपस्या के बारे में बताया तो साधु ने उसके प्रयास को सराहा। उन्होंने नीलू को सिखाया कि हर कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और नेकी का फल हमें कभी न कभी जरूर मिलता है। नीलू ने इस अनुभव से सीखा कि कर्म बोध का मतलब है कि हमें अपने कर्मों को ईमानदारी से करना चाहिए, चाहे हमारे पास जितने भी संघर्ष हों। उसने अपने कर्मों में सच्चाई और ईमानदारी लाने का संकल्प लिया और देखा कि नेकी का फल कभी न कभी जरूर मिलता है। इससे हमें सीखने को मिलता है कि अपने कर्मों का दायित्व समझना चाहिए और सही तरीके से करना चाहिए, चाहे हमें उनमें संघर्ष का सामना करना पड़े।

संदेश: कर्म बोध का मतलब है कि हमें अपने कर्मों को समर्पण और समर्थन के साथ करना चाहिए। इससे हमें अंत में सफलता और आनंद मिलता है। यही आनंद जीवन में खुशी प्रदान करता है और दूसरों की दुआओं के पात्र बन जाते हैं। कर्मों में सच्चाई-सफाई हमें ईश्वर के करीब ले जाती है। हम प्रभु के पात्र बन जाते हैं। जीवन आसान हो जाता है।

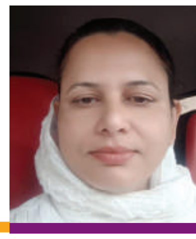

मेरी कलम से

बीके डॉ. सुषमा लाड, मेडिकल कंसल्टेंट, पुणे, महाराष्ट्र

प्राकृतिक आहार और राजयोग ध्यान से वर्षों पुरानी बीमारी हो गई ठीक

प्राकृतिक आहार से शरीर की बढ़ती है कार्यक्षमता

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

मैं बीके डॉ. सुषमा लाड पुणे के एक अस्पताल में कंसल्टेंट के तौर पर कार्यरत हूं। मुझे बचपन से ही एलर्जिक राइनाइटिस और अस्थमा जैसे बीमारियों ने जकड़ रखा था। बचपन में अटोपिक डर्माटायटिस नाम की स्किन बीमारी थी। स्टेरॉयड खाने के बाद से स्किन प्रॉब्लम तो कम हो गई, लेकिन फिर एलर्जिक अस्थमा के रूप में बीमारी बाहर आ गई। सुबह- शाम अस्थमा दवाई लेनी पड़ती थी। जब अस्थमा बढ़ जाता तो नेबुलाइजेशन और फिर स्टेरॉयड्स भी खाने पड़ते थे। हमेशा ही बीमार रहने के कारण मैं काफी निराश हो चुकी थी। बीमारी के बीच मैं घर का काम और जॉब भी करती थी। मैं राखी पर माउंट आबू पांडव भवन तपस्या के लिए गई थी। वहां मुझे बीके अनीता बहन मिले, जिन्होंने बताया कि दूध और दूध से बनी वस्तुएं, पका भोजन, नमक यह किस तरह बीमारी बढ़ाता है और कैसे प्राकृतिक आहार जैसे फल हमारी बीमारियों को ठीक करते हैं। फिर मैंने निश्चय किया कि अपनी बीमारी पर आहार का संयम करुंगी। फलाहार ही लूंगी। साथ ही मैंने राजयोग मेडिटेशन का अपने ऊपर प्रयोग किया।

तीन माह में ठीक हुई बीमारी...

परमात्मा शिव बाबा का कमाल है कि मात्र तीन माह के अंदर मेरी समस्या दूर हो गई। मेरा अनुभव है कि यदि हम भोजन में ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक और बिना पके भोजन को शामिल करेंगे तो इससे शरीर की हीलिंग पावर बढ़ती है। शरीर में रोगों से लड़ने की शक्ति पैदा होती है। राजयोग मेडिटेशन का प्रयोग करने से बीमारी दोगुनी पावर से दूर होती है। क्योंकि आहार से जहां तन के रोग दूर होते हैं, वहीं राजयोग से मन के रोग दूर होते हैं। हम अपनी गंभीर बीमारियों को भी आहार में परिवर्तन करके ठीक कर सकते हैं। जरूरत है तो हमें प्राकृतिक आहार अपनाने की।

जब से जीवन में राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास शुरू किया है मेरा सोचने का नजरिया बदल गया है। राजयोग की बदौलत मैं बीमारी के बीच घर का काम करती रही और जॉब भी चलता रहा। राजयोग से मेरा मन मजबूत हो गया और समस्याओं का सामना करने की शक्ति बढ़ गई है। मेरा आप सभी भाई-बहनों से अनुरोध है कि जीवन में एक बार अवश्य राजयोग की विधि सीखकर इसका अभ्यास जरूर करें। मुझे विश्वास ही नहीं पूरा यकीन है कि आपका जीवन बदल जाएगा।

उपराम स्थिति में कर्मयोग कौशल द्वारा आत्महित

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 69

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

शिव आमंत्रण, आबू रोड। चिंतन की पवित्रता का उज्जवल स्वरूप धर्म और कर्म के मध्य सकारात्मक सह संबंध की व्यावहारिकता को प्रकट करता है, जिसकी उच्चता में स्वयं को स्थापित करने के लिए अंतःकरण के चित्त को एकाग्रता की ध्याननिष्ठ अवस्था में आत्म तत्व एवं परमात्म सत्ता की सर्वोच्चता के जीवंत सम्बन्धों की अनिवार्यता होती है।

आध्यात्मिक जगत के चैतन्य स्वरूप में ज्ञान, योग, धारणा एवं सेवा का व्यावहारिक पक्ष सदा ही आत्म तत्व को निरंतर की पृष्ठभूमि में परमात्म सत्ता की व्यापकता का अनुभव कराता रहता है, जिसमें जीवात्मा द्वारा आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति की अलौकिक अनुभूतियां नैसर्गिक रूप से सम्मिलित रहती हैं। श्रेष्ठ संकल्प के रूप में आत्महित की दृष्टि का विकास करना और श्रेष्ठ विकल्प के माध्यम से कल्याणकारी दृष्टिकोण निर्मित किया जाना, मानव जीवन की उपलब्धिपूर्ण अवस्था है। जो जीवन दर्शन के व्यापक स्वरूप में गतिशील हो जाने का आधार बिंदु बन जाता है। योग के सत्कर्म से निरंतर सम्बद्धता, जीवन की दार्शनिक बोधगम्यता के पुरुषार्थ को नवीन आयाम प्रदान करती है, जिसमें आत्मगत चेतना उपराम स्थिति से सूक्ष्म आत्मदृष्टि के द्वारा कल्याणकारी दृष्टिकोण को आत्मसात करके मंगलकारी कार्यों में संलग्न हो जाती है।

धर्मगत आचरण में कर्मयोग कौशल: योग सत्कर्म का उच्चतम स्वरूप आचरण के आचार्य के प्रति श्रद्धावान रहकर मानवीय चरित्र को सुगठित करने हेतु सदा प्रेरणादायी स्थिति में कार्यरत रहते हुए अंतर्मन के प्रतिबिम्ब से स्वयं के भीतर स्थायी मूल्यपरक सिद्धांत एवं व्यवहार में क्रियान्वयन के सुदृढ़ पक्ष द्वारा सर्व मानव आत्मा

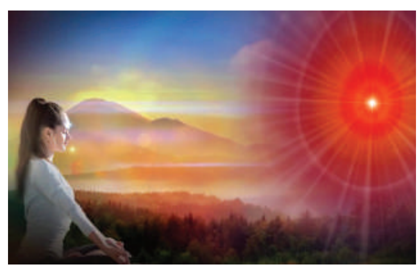

को आलोकित करने का आधार स्तम्भ बनता है। धर्मगत आचरण सदा धरत परिये धर्म न छोड़िए की सत्यनिष्ठ समर्पित भावभूमि से सम्बद्ध होता है, जिसमें योग से कर्मक्षेत्र में कौशल की यथार्थ पृष्ठभूमि विद्यमान रहती है और कर्मयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग एवं राजयोग को जीवन में अनुकरण पर बल देता है। चिंतन की पवित्रता का उज्जवल स्वरूप धर्म और कर्म के मध्य सकारात्मक सहसंबंध की व्यावहारिकता को प्रकट करता है जिसकी उच्चता में स्वयं को स्थापित करने के लिए अंतःकरण के चित्त को एकाग्रता की ध्याननिष्ठ अवस्था में आत्म तत्व एवं परमात्म सत्ता की सर्वोच्चता के जीवंत सम्बन्धों की अनिवार्यता होती है।

परमात्मा की व्यापकता का अनुभव: जीवन में धर्म के अनुसरण का व्यवहार पक्ष जब आदर्श स्थिति के सानिध्य में मूल्यपरक अवस्था से पोषित, पुष्पित एवं पल्लवित होता है तब कर्मयोग कौशल का वास्तविक परिवेश कर्म की कुशलतापूर्वक सम्पन्नता का मूलभूत स्त्रोत बन जाता है। अंतर्मन की सद्भावना से योग सत्कर्म की आधारशिला, मानव जीवन के दार्शनिक पहलू का सहज विश्लेषण प्रस्तुत करती है, जिसमें उपराम स्थिति के लिए धर्मगत आचरण की आवश्यकता सन्निहित रहती है। आध्यात्मिक जगत के चैतन्य स्वरूप में ज्ञान, योग, धारणा एवं सेवा का व्यावहारिक पक्ष सदा ही आत्म तत्व को निरंतरता की पृष्ठभूमि में परमात्म सत्ता की व्यापकता का अनुभव कराता रहता है, जिसमें जीवात्मा द्वारा आत्मानुभूति से परमात्मानुभूति की अलौकिक अनुभूतियां नैसर्गिक रूप से सम्मिलित रहती हैं।

आत्महित दृष्टि से कल्याणकारी दृष्टिकोण: चेतना की चिन्तनशील अभिव्यक्ति का व्यावहारिक स्वरूप सदा आत्महित की दृष्टि से स्वयं के परिवर्धन एवं परिष्कार हेतु पुरुषार्थ में संलग्न रहता है, ताकि सर्व आत्माओं के उन्नयन की जिम्मेदारी और जवाबदेही को कल्याणकारी दृष्टिकोण के माध्यम से निभाया जा सके। अंतर्जगत का विकासात्मक परिदृश्य कर्मयोगी स्वरूप में अर्न्तमुखी स्थिति द्वारा योग सत्कर्म के प्रति निष्ठावान रहते हुए स्वयं को साक्षी भाव में परिवर्तित करके आत्मिक सम्पन्नता की अनुभूति के श्रेष्ठ कार्य में जुट जाता है। श्रेष्ठ संकल्प के रूप में आत्महित की दृष्टि का विकास करना और श्रेष्ठ विकल्प के माध्यम से कल्याणकारी दृष्टिकोण निर्मित किया जाना, मानव जीवन की उपलब्धिपूर्ण अवस्था है जो जीवन दर्शन के व्यापक स्वरूप में गतिशील हो जाने का आधार बिंदु बन जाता है।

दार्शनिक बोधगम्यता हेतु आध्यात्मिक पुरुषार्थ: अंतःकरण की शांतचित्त स्थिति जब एकाग्रता से ध्यान की अवस्था में रूपान्तरित होती है तब आत्म जगत द्वारा आत्मानंद स्वरूप में परिणीत होना सुनिश्चित होता है, जिसमें परमात्म सत्ता की ओर गतिशील होकर सहजता के सानिध्य की समरूपता प्राप्त की जा सकती है। योग के सत्कर्म से निरंतर सम्बद्धता, जीवन की दार्शनिक बोधगम्यता के पुरुषार्थ को नवीन आयाम प्रदान करती है जिसमें आत्मगत चेतना उपराम स्थिति से सूक्ष्म आत्मदृष्टि द्वारा कल्याणकारी दृष्टिकोण को आत्मसात करके मंगलकारी कार्यों में संलग्न हो जाती है। परमात्म सत्ता के सम्मुख, जीव आत्मा द्वारा संपूर्ण समर्पण से आधारमूर्त आत्मा, उपराम स्थिति से उद्धामूर्त आत्मा, कर्मातीत अवस्था से अनुभवीमूर्त आत्मा और अव्यक्त स्वरूप से उदाहरणमूर्त आत्मा बन जाने के मार्ग को प्रशस्त करता है। जिसके माध्यम से सर्वगुण संपन्नता का साक्षात्कारमूर्त आत्मा का परिष्कृत संस्करण अर्थात दैवीय स्वरूप सहज ही प्रतिपादित हो जाता है।

कमजोर न बनें, शक्तिशाली बनें और यह विश्वास रखें कि भगवान हमेशा आपके साथ है।

- बाल गंगाधर तिलक

किताबें पढ़ने से हमें एकांत में विचार करने की आदत और सच्ची खुशी मिलती है।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी की तृतीय पुण्यतिथि पर देशभर से आए लोगों ने अर्पित की पुष्पांजली

दिव्यता, पवित्रता और सादगी की मिसाल थीं दादी

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी) की तृतीय पुण्यतिथि दिव्यता दिवस के रूप में मनाई गई। दादी की याद में बने अव्यक्त लोक पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी व अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने पुष्पांजली अर्पित की। इसके बाद देशभर से आए लोगों ने पुष्पांजली अर्पित कर दादी की शिक्षाओं को याद किया। अलसुबह से लेकर रात तक विशेष योग-तपस्या का दौर जारी रहा।

डायमंड हाल में आयोजित कार्यक्रम में राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दादी का जीवन दिव्यता, पवित्रता और सादगी की मिसाल था। दादी को बचपन से विशेष दिव्य दृष्टि का वरदान प्राप्त था। दादी ने बचपन से लेकर जीवन की आखिरी सांस मानव सेवा, विश्व कल्याण और परमात्म संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में लगा दी।

बचपन से था शांत और गंभीर स्वभाव

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मोहिनी दीदी ने कहा कि दादीजी का स्वभाव बचपन से ही शांत और गंभीर था। वह योग की प्रतिमूर्ति थीं। वह दिन-रात योग में ही मग्न रहती थीं। उन्होंने खुद को योग-तपस्या से इतना मजबूत, सशक्त और शक्तिशाली बना लिया था कि उन्हें बीमारी में दर्द का अहसास नहीं होता था। दादीजी को बचपन में ही वरदान मिल गया था कि वह यह बच्ची आगे चलकर लाखों लोगों के जीवन को बदलने के निमित्त बनेंगी। दादीजी के जीवन का मूलमंत्र था कि पवित्रता और सादगी जीवन का सर्वश्रेष्ठ शृंगार है। खुद को बहुत भाग्यशाली समझती हूं कि मुझे दादीजी के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ऐसी दिव्य आत्माएं खुद के साथ अनेकों के जीवन को बदलने के निमित्त बनती हैं।

50 साल तक निभाई संदेशवाहक की भूमिका

महासचिव बीके निर्वैर भाई ने कहा कि दादीजी को दिव्य बुद्धि का वरदान मिला हुआ था। उन्होंने 50 साल तक लाखों लोगों को परमात्म संदेशवाहक बनकर ईश्वरीय अनुभूति कराई। दादी का जीवन आदर्श जीवन था। उन्होंने अपने जीवन से लाखों लोगों को प्रेरणा दी। अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि दादी की शिक्षाएं आज भी हम सभी का मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने अपने श्रेष्ठ, दिव्य और महान कर्मों से जो लकीर खींची है वह आज भी हमारे लिए प्रेरणा देती है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी दीदी ने कहा कि दादीजी का पूरा जीवन ही मिसाल था। वह अपने कर्मों से शिक्षा देती थीं। इस मौके पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके स्वदेश दीदी, मीडिया निदेशक बीके करुणा, गुरुग्राम ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी, दिल्ली की बीके पुष्पा दीदी सहित अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। दादी की याद में विशेष भोग लगाया गया।

एक साल रहीं मुख्य प्रशासिका

बता दें कि राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी का 11 मार्च 2021 को देवलोकगमन हो गया था। उनकी याद में बने अव्यक्त लोक में उनके जीवन की शिक्षाओं को अंकित किया गया है। 27 मार्च 2020 में ब्रह्माकुमारीज की मुखिया राजयोगिनी दादी जानकी के महाप्रयाण के बाद राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी मुख्य प्रशासिका बनीं थीं। दादी हृदयमोहिनी को सभी प्यार से गुलजार दादी भी कहते थे। दादी हृदयमोहिनी के बचपन का नाम शोभा था। आपका जन्म वर्ष 1928 में कराची में हुआ था। आप जब 8 वर्ष की थी तब संस्था के साकार संस्थापक ब्रह्मा बाबा द्वारा खोले गए ओम निवास बोर्डिंग स्कूल में दाखिला लिया। यहां आपने चौथी कक्षा तक पढ़ाई की। बाबा और मम्मा के स्नेह, प्यार और दुलार से प्रभावित होकर अपना जीवन उनके समान बनाने की निश्चय किया।

दिल्ली की राजयोगिनी बीके शुक्ला दीदी को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज दिल्ली हरिनगर सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके शुक्ला दीदी को मणिपुर इंटरनेशनल विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। कुलपति डॉ. हरिकुमार ने कहा कि आज दीदी को यह उपाधि देते हुए हम अत्यंत गर्व का अनुभव कर रहे हैं। दीदी ने अपना पूरा जीवन मानवता की सेवा, समाज कल्याण और आध्यात्मिक जागृति में समर्पित कर दिया। आपके मार्गदर्शन में हजारों लोग व्यसन, बुराई छोड़कर अध्यात्म और राजयोग के मार्ग पर चल रहे हैं। जीवन पर्यंत आपके द्वारा की गई मानवता की सेवा को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया जा रहा है।

1956 में पहली बार बाबा से मिलीं- बता दें कि राजयोगिनी बीके शुक्ला दीदी का जन्म 1936 में अमृतसर में हुआ। 18 वर्ष की आयु में 1954 में संस्था के संपर्क में आईं। 1956 में संस्थापक ब्रह्मा बाबा और प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) के अमृतसर आगमन पर पहली बार मिलना हुआ और तभी आपने ईश्वरीय सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने का संकल्प कर लिया। आपके मार्गदर्शन में दिल्ली और हरियाणा में 130 से अधिक सेवाकेंद्र, उपसेवाकेंद्र, एक हजार से अधिक ब्रह्माकुमारी पाठशाला संचालित हैं। 500 से अधिक ब्रह्माकुमार भाई-बहनें समर्पित रूप से सेवा प्रदान कर रहे हैं।

'शिवरात्रि परमात्मा के दिव्य अवतरण का यादगार पर्व है'

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संगम भवन सेवाकेंद्र 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इसमें मुख्यालय से पहुंचे वरिष्ठ बीके भाई-बहनों ने शिव ध्वजारोहण कर सभी को शिव ध्वज के नीचे परमात्म का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प कराया।

शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका एवं ज्ञान सरोवर अकादमी माउंट आबू की निदेशिका बीके राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि शिव के साथ जो रात्रि शब्द जुड़ा है वह किसी कॉमन दिन या रात की बात नहीं है, बल्कि वह तो इस कलियुग की घोर अंधियारी रात पापाचार, भ्रष्टाचार की रात्रि का प्रतीक है। शिवरात्रि परमात्मा के दिव्य अवतरण का यादगार पर्व है। जब परमात्मा इस धरा पर आते हैं तो सबसे पहले हमारी सूरत और सीरत का परिवर्तन करते हैं। ईश्वरीय ज्ञान ही सूरत और सीरत में दिव्यता, रूहानियत, प्रेम और व्यवहार में मधुरता भरने का कार्य कर सकता है। शिव जयंती का अर्थ है बुराइयों का त्याग करके सदा खुश रहना और दिल खुश की मिठाई बांटना। सदा एक शिव बाबा की याद में रहना। परमपिता परमात्मा शिव अपने साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा तन के द्वारा सहज राजयोग की शिक्षा देकर मनुष्यों को देवता बनाने की शिक्षा देने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। परमात्मा कहते हैं कि व्यक्ति ज्ञान यज्ञ में अपनी बुराइयों एवं मनोविकारों की आहुति देकर श्रेष्ठ बन सकता है।

कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने कहा कि सेवा से दुआ मिलती है। जीवन में दुआओं का बड़ा महत्व है। कहते हैं दुआ दवा से भी ज्यादा काम करती है। हम सभी को जीवन में दुआ लेने का प्रयास करना चाहिए। मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि स्व परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन होगा। साथ-साथ प्रकृति का परिवर्तन होगा। वैज्ञानिक प्रभाग के अध्यक्ष बीके मोहन सिंघल, साउंड विभाग के इंचार्ज बीके रवि भाई, ओम शांति मीडिया के संपादक बीके गंगाधर भाई, बीके शंभु भाई, बीके अमृतलाल भाई, बीके बल्देव भाई, बीके आनंद भाई सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। संचालन बीके श्रीनिधि भाई ने किया। आभार बीके सोमशेखर भाई और बीके देबू भाई ने माना।

ब्रह्माकुमारीज़ सूचना केंद्र शुरू

अब एक कॉल पर ले सकेंगे ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़ी हर जानकारी

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने लोगों की सुविधा को देखते हुए सूचना केंद्र की स्थापना की है। अब एक कॉल करके आप ब्रह्माकुमारीज से जुड़ी हर तरह की जानकारी ले सकेंगे। केंद्र के फोन नंबर- 02972-350600 पर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कभी भी कॉल करके आप जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप राजयोग मेडिटेशन सीखना चाहते हैं और अपने नजदीकी ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र के बारे में पता करना चाहते हैं तो यहां से प्राप्त कर सकते हैं।

ब्रह्माकुमारीज द्वारा सामाजिक कल्याण के लिए चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

समस्या आपकी समाधान हमारा- सूचना केंद्र से आप व्यक्तिगत से लेकर प्रोफेशनल जीवन से जुड़ी हर समस्या का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। राजयोग मेडिटेशन क्या होता है? जीवन में क्या उपयोग है? राजयोग कैसे सीख सकते हैं? ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य क्या है? आदि से लेकर मल्टी मीडिया, मुख्यालय से प्रकाशित समाचार पत्र, पत्रिकाएं, चैनल, यूट्यूब चैनल आदि की जानकारी आप एक कॉल से प्राप्त कर सकते हैं।

भागलपुर (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ के कहलगांव सेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बीके अनिता दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताय। समाजसेवी पवन मिश्रा, शुभांद मुकेश, बीके पूजा बहन, बीके पप्पू, बीके सत्येंद्र, बीके बादल, बीके सालनी बहन मौजूद रहीं।

झोझूकलां, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस परमात्मा शिव द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया। पंचायत समिति झोझूकलां की वाइस चेयरमैन उषा रानी, बीके वसुधा बहन, जिला पार्षद निशा रानी मुख्य रुप से मौजूद रहीं।

शिवानी मंडी, हरियाणा। शिवरात्रि और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पशुपालन और कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने शिरकत की। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी राजेंद्र, ब्रह्माकुमारी निर्मल, वॉइस चेयरमैन रमेश पोपली, समाजसेवी अमित कुमार सहित अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।

अहमदाबाद। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय कार्यालय सुख शांति भवन में महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। गुजरात यूनिवर्सिटी के अकादमी स्टाफ ट्रेनिंग के डायरेक्टर डॉ. जगदीश जोशी, प्रो. डॉ प्रियंका जोशी, राजस्थान पत्रिका के संपादक उदय पटेल, सबजोन इंचार्ज बीके नेहा दीदी, बीके नंदिनी दीदी व अन्य मौजूद रहे।

रांची (झारखंड)। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी महेश विजय, एकरामुल हक़ , ब्रज किशोर विजय, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मला दीदी, राकेश पाल, राजकुमार पाल मुख्य रुप से मौजूद रहे। इस दौरान द्वादश ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला का आयोजन भी किया गया।

इन्दिरा गांधीनगर, राजस्थान। ब्रह्माकुमारी इन्दिरा गांधीनगर सेक्टर 6 की ओर से महाशिवरात्रि महोत्सव उत्साह से मनाया गया। इसमें बीके स्नेहा दीदी, बीके पूनम दीदी, विधायक डॉ. कैलाश वर्मा, डॉ. अंजू मीणा, रोहन यादव, छोटूराम मीणा ने शिव ध्वजारोहण कर शिव ध्वज के नीचे संकल्प लिया।

आगरा, उप्र। आर्ट गैलरी म्यूज़ियम सेवाकेंद्र पर शिवरात्रि महोत्सव और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसमें संत रुद्र गिरी महाराज, आचार्य राममोहन श्रोती, मिष्ठी योग साधना की संचालिका सपना कुलश्रेष्ठ, प्रो. वंदना अग्रवाल, प्रिंसिपल संगीता बघेल, इंचार्ज बीके मधु बहन मौजूद रहे।

बिलासपुर, छग। शुभम विहार स्वदर्शन भवन में रसिया की ब्रह्माकुमारी संतोष दीदी के आगमन पर विधायक अमर अग्रवाल, इंदौर जोन इंचार्ज हेमलता दीदी, सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके सविता बहन ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। संतोष दीदी ने कहा कि आत्मचिंतन से ही हम अध्यात्म को गहराई से समझ सकते हैं।

ग्वालियर,मप्र। प्रभु उपहार भवन माधौगंज, पुराने हाई कोर्ट लाईन स्थित संगम भवन सेवाकेंद्र सहित ग्वालियर के सभी केन्द्रों पर शिव ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में बीके डॉ. गुरचरन, बीके प्रहलाद, बीके लक्ष्मी, बीके सुरभि, बीके रोशनी, बीके विजेंद्र, गजेन्द्र अरोरा, संतोष बंसल, संतोष गुप्ता मौजूद रहे।

समस्तीपुर, बिहार। 88वें त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलन कर ब्रह्माकुमारीज़ बिहार की संचालिका राजयोगिनी रानी दीदी, डिप्टी मेयर पुष्पिता झा, रामबालक पासवान, डॉ. एमएस कुंडू, आरके झा, उद्योगपति रामगोपाल सुरेका, बीके सविता बहन, कृष्ण भाई एवं व्यवसायी सतीश चांदना मौजूद रहे।

मुरादाबाद, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के न्यू सिविल लाइन सेंटर पर शिवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मेरठ सबजोन इंचार्ज बीके आशा दीदी, जाट महासभा के उपाध्यक्ष अनिल चौधरी, लीगल एडवाइजर लताचंद्र, डॉ. प्रोफेसर प्रेमवती, राकेश खन्ना, बीके लक्ष्मी, बीके रीना, बीके निरेश मुख्य रुप से मौजूद रहे।

हजारीबाग, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ केरेडारी सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। इस मौके पर केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी, उपप्रमुख अमेरिका महतो, जेजेए अध्यक्ष केरेडारी सुमंत साहा, सेवाकेंद्र संचालिका बीके सरिता बहन, अमित कुमार माली, ज्ञान कुमार पासवान, कीर्तन कुमार,इंद्रजीत गिरी व अन्य मौजूद रहे।

इंद्रपुरी, दिल्ली। महाशिवरात्रि पर इंद्रपुरी सेवाकेंद्र पर आकर्षण झांकी लगाई गई। इस मौके पर सेवा केंद्र प्रभारी बीके बाला ने कहा कि हमारे अंदर के विषय विकारों को मिटाकर परमात्मा शिव हमें पावन बनाकर नई सतयुगी दुनिया में ले जाने के लिए आए हैं। प्रदर्शनी का 5000 से अधिक लोगों ने अवलोकन किया।

अखनूर (जम्मू-कश्मीर)। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नीलम बहन, आरएमजी श्मशान घाट के निदेशक रोशनहत गुप्ता, मोना गुप्ता, एसएसपी मोहनलाल, बीके उषा बहन, बीके रतन भाई सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें मौजूद रहे।

अलकापुरी, वड़ोदरा। सेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती महोत्सव एवं नारी सम्मान आरती उत्सव आयोजित किया गया। सर्वप्रथम 12 ज्योतिर्लिंग के साथ अद्भुत शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान बीके डॉ. निरंजना दीदी, बीके मीना दीदी, प्रवीणभाई पटेल, बीके नरेन्द्र सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

गया, सिविल लाइन (बिहार)। महाशिवरात्रि पर झांकी सजाई गई और शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर सहकारिता, पर्यटन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप , गुरुद्वारा प्रबंधक सर्व सिंह , प्रदीप जैन, विकाश कुमार , अजमत खान, बीके शीला दीदी व अन्य मौजूद रहे।

खजुराहो, मप्र। ग्राम बमीठा में सेवाकेंद्र पर शिव ध्वजारोहण कर महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया गया। ध्वजारोहण संचालिकी बीके विद्या दीदी, वृंदावन साहू ने किया। इस दौरान शिव बारात निकाली गई, जिसमें माताएं कलश एवं भाई शिव झंडे लेकर शामिल हुए। साथ ही शिव-पार्वती की सुंदर झांकी सजाई गई।

कंकड़बाग, पटना, बिहार। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आध्यात्मिकता द्वारा सकारात्मक परिवर्तन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बीके संगीता दीदी ने शिव ध्वजारोहण कर सभी को संकल्प कराया। संचालन बीके प्रमोद भाई ने किया।

पन्ना,मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक साई एस थोटा, सेवाकेंद्र ब्रह्माकुमारी सीता बहन ने शिव ध्वजारोहण कर सभी लोगों को शिव ध्वज के नीचे जीवन में एक बुराई छोड़ने और एक सद्गुण अपनाने का संकल्प कराया।

अम्बिकापुर, छग। ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन चोपड़ापारा में शिवरात्रि महोत्सव मनाया गया। इसमें भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पार्षद आलोक दुबे, द्वितेन्द्र मिश्रा, जैन समाज अध्यक्ष अशोक जैन, स्वामी तन्मयानन्द, रघुवीर सिंह छाबड़ा, एएसपी पुपलेश पोर्ते, संचालिका बीके विद्या दीदी उपस्थित रहे।

कामठी, महाराष्ट्र। महाशिवरात्रि और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर बीके प्रेमलता दीदी, पंचायत समिति सभापति दिशा ताई चणकापुरे, पूर्व आमदार देवरावजी रडके, पूर्व सभापति सेवक ऊईके, माजी उपसभापति विमलताई साबळे ने शिव ध्वजारोहण किया।

राजगढ़, मप्र। जिला जेल में महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मधु दीदी, जेल अधीक्षक राकेश मोहन उपाध्याय, जेल शिक्षक लखन सोंधिया, कपिल गुप्ता, बीके सुरेखा दीदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

रतलाम, मप्र। पत्रकार कालोनी सेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर शिव ध्वजारोहण किया गया। पार्षद मनीषा चौहान, समाजसेवी राधावल्लभ खंडेलवाल, योग प्रशिक्षका आशा दुबे, लायंस क्लब अध्यक्ष राजेंद्र पुरोहित, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता दीदी, बीके गीता दीदी, बीके संगीता दीदी व अन्य मौजूद रहे।

जालंधर, पंजाब। आदर्श नगर सेवाकेंद्र पर शिवरात्रि महापर्व मनाया गया। विधायक रमन अरोरा, आईएमए अध्यक्ष डॉ. दीपक चावला, संचालिका बीके संधिरा बहन, सह संचालिका बीके विजय बहन, बीके संधीरा, बीके विजय, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरमैन नरेश मित्तल मुख्य रुप से मौजूद रहे।

केसली(सागर)। उपसेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर शिव ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर बीके संध्या दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक अर्थ बताया। कार्यक्रम में बीके किरण बहन, सुधीर भाई, गजराज भाई, नारायण भाई, आरडी भाई, राकेश भाई व अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।

सिलवानी, सागर। सेवाकेंद्र की ओर से सात दिवसीय श्रीमदभागवत गीता का सार कथा का आयोजन किया गया। इसमें कथावाचिका बीके नीलम दीदी ने वर्तमान परिस्थितियों में गीता का सार बताया। इस दौरान सागर प्रभारी बीके छाया दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी,बीके मोहिनी दीदी, बीके अभिलाषा दीदी मौजूद रहीं।

ओक्लाहोमा, यूएसए। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र डेनवर मेट्रो क्षेत्र, कोलोराडो-यूएसए में 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान डेनवर हिंदू मंदिर में एक होलोग्राफिक शिवलिंग शो का आयोजन किया। बीके बिंदु और बीके वेंकटेश ने परमपिता शिव परमात्मा और राजयोग का परिचय दिया।

गाडरवाड़ा, नरसिंहपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों ने शिव रात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए सभी को शिव ध्वज के नीचे सद्मार्ग पर चलने का संकल्प कराया।

बिलासपुर, छग। सड़क सुरक्षा माह 2024 के समापन समारोह में पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजय शुक्ला, जिलाधीश अवनीश कुमार शरण, पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग भवन सेवाकेंद्र की संचालिका बीके स्वाति दीदी को सम्मानित किया गया।

ग्वालियर, मप्र। दीनदयाल नगर सेवाकेंद्र की शाखा कुंज विहार एवं पुष्कर कॉलोनी में महाशिवरात्रि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके भावना दीदी, बीके ज्योति दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए राजयोग सीखने की सलाह दी। इस दौरान बीके योगेश ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विधानसभा अध्यक्ष के आह्वान पर पूरी छत्तीसगढ़ कैबिनेट ने एक मत होकर माउंट आबू जाने की सहमति दी

सीएम के साथ पूरी सरकार पहुंची शांति सरोवर

शिव आमंत्रण, रायपुर, छग।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छी परम्परा रही है कि विगत 23 वर्षों से लगातार बजट सत्र के दौरान पक्ष-विपक्ष के समूची विधानसभा को शान्ति सरोवर में बुलाया जाता है और सात्विक भोजन करने का अवसर मिलता है। यह अच्छी परम्परा है। यह हमें सिखाता है कि न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि देश के विकास के लिए हमें ऐसे ही मिलजुलकर कार्य करना है।

श्री साय ब्रह्माकुमारीज के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा विधानसभा रोड पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष, मंत्रियों एवं विधायकों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान की शाखाएं निचले स्तर तक भी पहुंची हुई हैं। छोटे-छोटे विकासखण्ड स्तर तक भी संस्थान कार्यरत है। मुझे यह देखकर खुशी होती है कि हमारी बहनें जो कभी हमसे मिलने में संकोच किया करती थीं इस संस्थान से जुड़ने के बाद हमें प्रवचन

के माध्यम से शिक्षा देने का कार्य कर रही हैं। महिलाओं में काफी जागृति आई है। विशेषकर ग्रामीण और आदिवासी अंचल में महिला सशक्तिकरण का बहुत ही अच्छा कार्य ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किया जा रहा है। समाज सुधार का कार्य भी संस्थान कर रहा है। उन्होंने माउण्ट आबू जाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आते ही शान्ति की अनुभूति होती है। हमको विधानसभा जाते और आते समय शान्ति सरोवर के दर्शन होते हैं। विधानसभा में जो हमारी नोक-झोंक होती है उसे शान्ति सरोवर से गुजरने के बाद हम सबकुछ भूल जाते हैं। सबका मन पवित्र हो जाता है। उन्होंने बीके कमला दीदी को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से हम सबको एक बार माउण्ट आबू जाने का अवसर मिला। उनके आशीर्वाद से हमें इस संस्थान से जुड़ने का सौभाग्य मिला। यहां मुख्यमंत्री जी, नेता पतिपक्ष सहित विधायकगण बैठे हैं यदि सबकी सहमति हो तो एक बार फिर से माउण्ट आबू जाने का कार्यक्रम बनाया जा सकता है। इस पर सबने ताली बजाकर सहमति दी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महन्त ने बीके सविता दीदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने हमें शान्ति का अनुभव करने का अवसर दिया। हमारी इन बहनों की शुभ इच्छा रहती है कि बाहर की आपाधापी में से हम समय निकालकर शान्ति सरोवर में आकर डुबकी लगाएं और आत्मिक शान्ति का अनुभव करें। शान्ति की अनुभूति करने के लिए यह बहुत ही अच्छी जगह है। उन्होंने अपनी पार्टी की ओर से माउण्ट आबू जाने की सहमति प्रदान की। क्षेत्रीय निदेशिका बीके हेमलता दीदी ने सभी का स्वागत करते हुए एक बार पुनः राजयोग शिविर हेतु माउण्ट आबू जाने का निमंत्रण दिया। संचालिका बीके सविता दीदी ने मुख्यमंत्री सहित सभी अतिथियों का सम्मान किया। भिलाई की संचालिका बीके आशा दीदी, बीके सरिता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

दस हजार लोगों ने किए केदारनाथ मेले के दर्शन

मुंबई। ब्रह्माकुमारीज की ओर से 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर भव्य केदारनाथ मेला दर्शन का आयोजन किया गया। इसमें विशेष रूप से स्प्रीचुअल एनीमेशन मूवी, वीडियो द्वारा मेडिटेशन एक्सपीरियंश, माइंड स्पा, चैतन्य शिव पार्वती की झांकी लगाई गई।

सांसद गोपाल शेट्टी ने मेला का उद्घाटन करते हुए कहा कि जब कोई पॉलिटिशियन कोई कार्यक्रम रखते हैं, तो उसमें उनका कुछ न कुछ स्वार्थ रहता है, लेकिन आपका हर कार्यक्रम निस्वार्थ होता है, इसलिए आपको परमात्मा का आशीर्वाद मिलता है और कार्य में सफलता मिलती है।

डॉ. एसवी संत ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज के हर एक सदस्य के चेहरे पर रूहानी मुस्कान और शांति नजर आती है। इसी कारण वे यहां के कार्यक्रम में आने के लिए उत्साहित रहती हैं। बीके बिंदू ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताया। बीके श्रेया दीदी ने भी विचार व्यक्त किए।

मेले में 22 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया

मुंबई। ब्रह्माकुमारीज घाटकोपर सबज़ोन के योग भवन में तीन दिवसीय 88वीं शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान 22 फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया गया, जिसमें परमात्मा के दिव्य कर्तव्य, गुण, शक्तियों और दिव्य ज्ञान को लिखा गया। तीन दिन चले महोत्सव में हजारों लोगों ने 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन किए। सबजोन निदेशिका बीके डॉ. नलिनी दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताया। मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके निकुंज भाई, बीके शकु दीदी, बीके विष्णु प्रिया दीदी की उपस्थिति में महाआरती के साथ महाशिवलिंगम को भक्तों के दर्शन के लिए खोला गया।

दैनिक जागरण विमर्श कार्यक्रम में लिया भाग

ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाएं सराहनीय : सांसद

शिव आमंत्रण, वाराणसी, उ.प्र.।

दैनिक जागरण ग्रुप द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम "विमर्श" में ब्रह्माकुमारीज को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इसमें मीडिया प्रभारी बीके विपिन भाई और मोटिवेशनल स्पीकर बीके तापोशी बहन ने भाग लिया। इस दौरान पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं सुविख्यात कलाकार रूपा गांगुली से मुलाकात कर संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराया।

इस दौरान बीके सदस्यों ने पूर्व मंत्री एवं विधायक सुरेंद्र सिंह पटेल, सांसद संगीता आजाद, विधायक केतकी सिंह, दैनिक जागरण के सम्पादक भारतीय वसंत, महाप्रबंधक अंकुर चड्ढा, सिटी चीफ़ प्रमोद यादव से मुलाकात कर आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों की जानकारी देने के साथ मुख्यालय आने का दिया निमंत्रण।

पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं महाभारत में द्रोपदी का अहम किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा की जा रहीं निःस्वार्थ जनसेवा एवं आध्यात्मिक जागृति लाने के लिए वैश्विक स्तर पर किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। सारनाथ क्षेत्रीय मुख्यालय के ब्र.कु. गंगाधर भाई एवं ब्र.कु. अनिता बहन भी उपस्थित रहे। इस दौरान बीके तापोशी ने राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताते हुए सभी से दिन में कम से कम दस मिटन ध्यान करने का आह्वान किया। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

शिव जयंती महोत्सव में कराए शुभ संकल्प

शिव आमंत्रण,अटलादरा, गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज़ अटलादरा सेवाकेंद्र पर महाशिवरात्रि पर्व एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी डॉ. अरुणा बहन ने सभी मेहमानों को आत्म उन्नति के लिए शुभ संकल्प पढ़ कर सुनाए जिन्हें सभी ने दोहराकर आत्मसात करने का संकल्प किया। साथ ही सभी से जीवन में राजयोग मेडिटेशन सीखकर इसका अभ्यास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष डॉ. विजय शाह , आईटीएम वोकेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ.अनिल बिसेन, एसीपी एसएचई टीम राधिका भराई, क्रेडाई प्रेसिडेंट ध्रुमिल पटेल, डॉ. अजय वालिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी मेहमानों का शॉल पहनाकर सम्मान किया गया।

31 हजार रुद्राक्ष से दस फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया, दर्शन के लिए उमड़े हजारों श्रद्धालु

मेहसाणा : दो दिवसीय शिवरात्रि आध्यात्मिक मेले के शुभारंभ पर निकाली शोभायात्रा

शिव आमंत्रण, मेहसाणा, गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज के गोडली पैलेस सेवाकेन्द्र द्वारा महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय मेला आयोजित किया गया। इसमें 31 हजार रुद्राक्ष से बने 10 फीट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण किया गया। इसका निर्माण संस्थान से जुड़े बीके भाई-बहनों द्वारा बहुत ही मेहनत से किया गया।

मेले में मानव जीवन मूल्यों को प्रदर्शित करती, जीवन को उन्नत एवं मूल्यवान बनाती हुई आध्यात्मिक ज्ञान की चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिस में आत्म दर्शन, परमात्म दर्शन, सृष्टि दर्शन जैसी अनेक आध्यात्मिक पहेलियों को सुलझाते हुए चित्रों पर बीके सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। इससे प्रेरित होकर सैकड़ों लोगों ने साप्ताहिक राजयोग शिविर के फार्म भर कर शिविर में भाग लेने का उत्साह दिखाया। शिवरात्रि पर भव्य महाआरती में हजारों लोगों ने लाभ लिया।

मेले का शुभारंभ पर परमात्मा का दिव्य संदेश देने के लिए शिव-शंकर की चैतन्य झांकी से सजी शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान सेवाकेंद्र संचालिका बीके सरला बहन ने कहा कि परमात्मा के जन्मदिन पर हम उनको अपनी कोई भी बुराई रूपी गिफ्ट देंगे तो वह भोला होने के कारण आपके अन्दर बुराई की जो जगह खाली पड़ी है वहां कोई न कोई अच्छाई भर देगा।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री खोडा भाई पटेल, जिला जेल अधीक्षक ईश्वर भाई चौधरी, नागरिक सहकारी बैंक के जनरल मैनेजर मुकेश भाई पटेल, आत्मा प्रोजेक्ट के डायरेक्टर लक्ष्मण भाई पटेल, लायन्स हॉस्पिटल के डायरेक्टर एम. पटेल, बीके कुसुम बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। परमात्म शिव ध्वज लहराया गया। शिव संदेश देते गुब्बारे उड़ाये गये। पांच फीट ऊंचे शिवलिंग पर दीप प्रज्वलित कर, केक काट कर अजन्मा का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

विश्व शान्ति की कामना के साथ मनाई शिव जयंती

शिव आमंत्रण, खंडवा (मप्र)। भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर 88वां शिव जयंती महोत्सव विश्व शांति की कामना के साथ मनाया गया। इसमें साहित्यकार डॉ. आलोक सेठी, गुर्जर हॉस्पिटल के संचालक एवं समाजसेवी डॉ. शिवशंकर गुर्जर, सर्वब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित प्रमोद पूरी, केथोलिक चर्च के फादर जयंत एलेक्स उपस्थित हुए। सेवाकेंद्र संचालिका बीके शक्ति दीदी ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया। बहनों ने अतिथियों का स्वागत किया।

महिला सम्मान समारोह आयोजित

शिव आमंत्रण, भाटापारा (छग)। ब्रह्माकुमारीज़ के नरसिंह विहार कॉलोनी भाग्य विधाता भवन में महिला दिवस पर महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सीमा शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता गुप्ता, शहरी थाना टीआई योगिता बाली खापर्ड, बीके मंजू दीदी ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसमें सभी महिलाओं को सम्मान किया गया।

महिला दिवस : नारी शक्ति का साफा बांधकर किया सम्मान

शिव आमंत्रण, पुणे, महाराष्ट्र

ब्रह्माकुमारीज द्वारा तीन दिवसीय शिवरात्रि मेले का आयोजन किया गया। इसमें हजारों लोगों ने द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन प्रदर्शनी का लाभ लिया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक, नगरसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान विशाल चित्रों से सुसज्जित शिव दर्शन प्रदर्शनी में शिवरात्रि के आध्यात्मिक रहस्यों को समझाया गया। मेले के शुभारंभ पर अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं का साफा बांधकर सम्मान किया गया। इसमें सभी वर्ग और समाज की महिलाओं ने भाग लिया।

समस्या- समाधान

सभी के लिए रखें कल्याण की भावना

अब समय केवल कमाई का है इसलिए अब नया हिसाब-किताब बनाना बन्द करो और हर आत्मा के प्रति रहम, प्रेम और कल्याण की भावना रख मन्सा सेवा करो।

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

योग बल द्वारा अन्य आत्माओं की पालना करने, रहम दिल से, शुभ भावना शुभ कामना संपन्न संकल्प हर आत्मा के कल्याण प्रति निस्वार्थ और निमित्त भाव से करने से यह उन आत्माओं को डायरेक्ट टच होगा। उनको एक साक्षात्कार जैसा अनुभव होगा। अनुभव करेंगे कोई फरिश्ता आकर मुझे कुछ बोल रहा है। यह अंतः वाहक शरीर द्वारा सेवा योग बल से ही कर सकते है। जबकि अभी यह सृष्टि रूपी झाड़ को परिवर्तन होना ही है। तो झाड़ के अंत में क्या रह जाता है? आदि भी बीज, अंत भी बीज ही रह जाता है। अभी इस पुराने वृक्ष के परिवर्तन के समय पर वृक्ष के ऊपर मास्टर बीजरूप स्थिति में स्थित हो जाओ। बीज है ही -बिंदु। सारा ज्ञान, गुण, शक्तियां सबका सिंधु एक बिंदु में समा जाता है। इसको ही कहा जाता है- बाप समान स्थिति।

एक परमात्मा को याद करें

जीवन में आने वाली नकरात्मकता उतना महत्व नहीं रखती जितना महत्व हमारी खुशी के पैमाने का होता है। भक्तों का भी रक्षक भगवान अपने सभी बच्चों से कहते हैं बच्चे! मौत तो सबके सिर पर खड़ा है । इसलिए अब यह एक जन्म पवित्र बनो और बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। परमात्मा बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे। और कोई रास्ता नहीं है - पतित से पावन बनने का। इस सृष्टि रंगमंच पर कर्मों का बहुत सूक्ष्म खेल चलता है, जिसे हर आत्मा पूरी तरह समझ नहीं पाती है जिस कारण वह अपना हिसाब-किताब बना लेती है। फिर उसे ही चुक्तु करना पड़ता है। जब हम किसी भी कर्मेन्द्रिय का प्रयोग करते हैं अर्थात् आँख द्वारा कुदृष्टि होती है, तो वो भी पाप कर्म बन जाता है। जबकि यह संकल्पों द्वारा किया गया पाप कर्म है जो कि योग द्वारा ही चुक्तु किया जा सकता है।

बोल के द्वारा किया गया पाप

जब आप किसी भी विकारों में फंसी हुई कमजोर परवश आत्मा को कुछ ऐसी बात बोलते हो जो उसे चुभ जाए अर्थात् वह दुःखी हो जाए तो वह आपका हिसाब-किताब बनता है, जिसको आपको शरीर द्वारा चुक्तु करना पड़ता है। इसलिए बाबा कहते हैं, बच्चे अब मुख द्वारा बोलना बन्द करो। अब जरूरत का ही बोलो। देखो बच्चे, कमज़ोर आत्मा तो पहले से ही अपने संस्कारों से परेशान है और वह उसे खत्म करना चाहती है और यदि आप भी सभी के बीच हल्की-सी भी कोई चुभती बात बोल देते हो तो वह एक बार दुःखी हो जाती है जोकि आपका हिसाब-किताब बन जाता है। इसलिए किसी आत्मा के शुभचिन्तक बन समझानी देनी भी हैं तो अकेले में बस एक ही बार दो। फिर उसे बाप हवाले कर दो अन्यथा आप छोटा-छोटा सा हिसाब-किताब बना लेते हो जो फिर चुक्तु भी तो करना पड़ेगा। अब जो समय जा रहा है वह केवल कमाई का है इसलिए अब नया हिसाब-किताब बनाना बन्द करो और हर आत्मा के प्रति रहम, प्रेम और कल्याण की भावना रख मन्सा सेवा करो। इससे आपका दुआओं का खाता जमा होगा और आप जल्दी ही अपनी मंजिल पर पहुंच जाओगे। जब कोई भी पाप कर्म संकल्पों द्वारा होता है तो वह योग द्वारा चुक्तु हो जाता है और यदि कर्मणा में आ जाता है तो शरीर द्वारा और सम्बन्ध-सम्पर्क द्वारा चुक्तू करना पड़ता है।

1971 में पहली बार अव्यक्त मुरली में मैंने सुना कि बाबा ने याद दिलाया कि तुम भक्ति में कहते थे हे! भगवान जब तुम इस धरा पर आओ तो हमें अपना बना लेना। बाबा ने कहा कि इतना ही कहते थे न तुम बस। हमने तो कभी कहा भी नहीं था, क्योंकि हमने कभी भक्ति की नहीं थी। कहते होंगे भी भक्त लोग ऐसे। बाबा ने कहा देखो बाप ने क्या कर दिया। जो तुमने कहा था वह तो पूरा कर ही दिया कि मैंने तुम्हें अपना बना लिया। इसके साथ-साथ मैं भी तुम्हारा हो गया हूं। तो वह पहला दिन था मेरे जीवन का जब मुझे ये नशा मुझे चढ़ा कि भगवान मेरा। ये तो किसी को कहना भी नहीं आता दुनिया में कितनी बड़ी चीज है। जो भाग्यविधाता है, वह मेरा है। आप सबने सुना होगा बाबा की मुरली में यदि कभी किसी को ऐसा लगे कि मेरा भाग्य मुझे साथ नहीं दे रहा है तो ये याद करें कि स्वयं भाग्यविधाता भगवान मेरा है। भाग्य साथ देने लगेगा। यदि कभी ऐसा लगे कि बहुत मेहनत करने पर भी सफलता नहीं मिल रही है। शायद भाग्य हमसे रूठ गया है तो स्वयं को याद दिलाएं मैं मास्टर भाग्य विधाता हूं। बिगड़ा हुआ भाग्य सुधर जाएगा।

राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार के आगमन पर किया स्वागत

ब्रह्माकुमारीज़ में आकर असीम शांति की अनुभूति होती है : मंत्री

शिव आमंत्रण, छतरपुर,म.प्र.।

मध्यप्रदेश शासन के नवनिर्वाचित वन विभाग एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार के मंत्री बनने के बाद प्रथम बार छतरपुर ब्रह्माकुमारी किशोर सागर सेवाकेंद्र आगमन पर प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने शॉल उढ़ाकर एवं ईश्वरीय स्लोगन भेंट कर सम्मानित किया गया।

बीके शैलजा दीदी ने मंत्री अहिरवार को ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के 88 वर्षों की गौरव गाथा और छतरपुर द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में 88 गांव में ईश्वरीय संदेश और नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लक्ष्य से किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। मंत्री ने विद्यालय परिसर में विराजित भगवान शिव की आरती की। बीके रमा ने आध्यात्मिक संग्रहालय का अवलोकन कराया। इसके बाद मेडिटेशन रूम में मेडिटेशन किया। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद भले पहली बार आया हूं लेकिन पहले भी मैं आता रहा हूं और जब भी आया हूं यहां से कुछ प्रेरणाएं और असीम शांति की अनुभूति लेकर ही गया हूं। बीके रमा बहन ने राजयोग ध्यान के महत्व को समझाया।

राज्यपाल का किया सम्मान

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के तृतीय दीक्षांत समारोह में पधारे हुए राज्यपाल मंगूभाई पटेल से ब्रह्माकुमारी विद्यालय की बहनों ने मुलाकात कर छतरपुर जिले में चल रही सेवाओं से अवगत कराया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने राज्यपाल का दुपट्टा उड़ाकर सम्मान किया और ईश्वरीय सौगात भेंट की। इस मौके पर बीके रीना बहन, बीके कल्पना बहन, बीके रीमा बहन, बीके आरती बहन विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

विधानसभा के प्रमुख सचिव ने लिया शहीद सम्मान समारोह में भाग

शिव आमंत्रण, छतरपुर,म.प्र.।

आजादी के अमृत महोत्सव के अमृत काल में अमर सैनानियों के सम्मान में बागेश्वर धाम में होने वाले शहीद सैनिकों की स्मृति में विशाल महायज्ञ के लिए कलश स्थापना के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह, अखिल भारतीय संघ समिति के राष्ट्रीय संरक्षक आजानुभुज सरकार महंत भगवान दास, योगा स्पोर्ट संघ, वस्त्र विक्रेता कल्याण संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, चरण पादुका सेवा समिति स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन शंकरलाल सोनी का छतरपुर से सिंहपुर चरणपादुका के लिए निकलने वाली यात्रा का ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर द्वारा तिरंगा एवं शिव ध्वज लेकर मोटरसाइकिल यात्रा एवं तिलक पुष्प भेंटकर यात्रा को रवाना किया गया। स्वाधीनता आंदोलन का बुंदेलखंड का जालियांवाला बाग के नाम से विख्यात सिंहपुर छतरपुर जिले के चरणपादुका स्मारक नाम से जाना जाता हैं। इस दौरान बीके कल्पना, बीके मोनिका, बीके रजनी, रेखा बहन, रीमा बहन सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

महिला दिवस पर प्रतिष्ठित महिलाओं का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, जयपुर, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ के राजापार्क सबजोन द्वारा 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविंद्र मंच पर भव्य कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इसमें बॉलीवुड सिंगर रविंद्र उपाध्याय, आई.ए.एस सुषमा अरोड़ा, हरदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति सुधि राजीव ने मुख्य रूप से भाग लिया। सबजोन इंचार्ज पूनम दीदी ने शिवरात्रि और महिला दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रतिष्ठित महिलाओं का सम्मान किया। इस दौरान डॉ. अन्जू मीणा, (इन्टरनेशनल वूमन बॉडी बिल्डिंग एथलीट), अनिता शर्मा (हेड ऑफ एडमिन गोयल पाथ लैब), उजमा रानी असिस्टेंट प्रोफेसर (गवर्नमेंट तिलक पीजी महाविद्यालय, जागृति सिंह सीआरपीएफ महिला समूह की अध्यक्ष का सम्मान किया गया। नारी शक्ति का प्रदर्शन नृत्य नाटिका से बच्चों ने सभी का मन मोह लिया।

क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

शिव आमंत्रण, ऐरोली, मुंबई, महाराष्ट्र। मुलुंड सबज़ोन के ब्रह्माकुमार भाइयों के बीच आंतरिक आध्यात्मिक संबंधों, एकता और टीम भावना के निर्माण के लिए सबजोन निदेशिका डॉ. बीके गोदावरी दीदी के मार्गदर्शन में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। समापन पर ऐरोली सेंटर की प्रभारी बीके मीना बहन ने विजेता टीम को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता साहिल चौगुले, युवासेना अध्यक्ष ममित चौगुल मुख्य रूप से मौजूद रहे। टूर्नामेंट में 12 मैच हुए, जिसमें आठ टीमों ने भाग लिया।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने प्रदान की पीएचडी की डिग्री

डॉ. बीके रीना और बीके राघवेंद्र को पीएचडी की उपाधि से नवाजा

भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ भोपाल की वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बीके डॉ. रीना दीदी को एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल के तीसरे दीक्षांत समारोह में पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई है। उन्हें यह डिग्री स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन द्वारा 'कोविड 19 के दौरान भारत में सकारात्मकता को प्रचारित करने में आध्यात्मिक संचार की भूमिका का अध्ययन' पर शोध के उपरांत राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा प्रदान की गई। इस दौरान केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने अपना शोध एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन की विभागाध्यक्ष डॉ. अनु श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया। इस दौरान

राजयोगी बीके डॉ. रावेन्द्र भाई को भी एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई है। उन्हें कोरोना महामारी के दौरान समाचार पत्रों में प्रकाशित आध्यात्मिक एवं सकारात्मक खबरों के अध्ययन' विषय पर शोध के उपरांत राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने प्रदान की।

सकारात्मक जीवनशैली जरूरी

शिव आमंत्रण, कोट्टायम (केरल)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सोना-चांदी गलाई मराठा वेलफेअर एसोसिएशन के लिए तनाव मुक्त सकारात्मक जीवनशैली विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से आए बीके भगवान भाई ने कहा कि राजयोग के बल से अपनी सुशुप्त शक्तियों को जागृत कर तनाव के ऊपर विजय पाना संभव है। अपने आहार, विचार और व्यवहार को सकारात्मक और संतुलित कर हम तनावमुक्त रह सकते हैं। यही चिंता रहित जीवनशैली की पहली सीढ़ी है। जीवन में कैसी भी परिस्थिति आए लेकिन सकारात्मकता नहीं छोड़ें।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960
Scan To Pay

वाराणसी में ईश्वरीय उपहार भवन का लोकार्पण

शिव आमंत्रण, वाराणसी, उप्र

ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित ईश्वरीय उपहार भवन सेवाकेंद्र का उद्घाटन करती उप्र व नेपाल सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके सुरेन्द्र दीदी, मंत्री रविन्द्र जायसवाल, बीके मधु दीदी, बीके दीपेन्द्र, बीके रंजना, स्थानीय प्रभारी बीके सरोज और बीके मोहन ने किया। इस दौरान आसपास के सेवाकेंद्रों से पधारीं वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों का चुनरी, साफा और माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बीके सुरेंद्र दीदी ने कहा कि ईश्वरीय उपहार भवन से लोगों को ईश्वर का सत्य परिचय मिलेगा। यहां से लोग निःशुल्क राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा ले सकेंगे। यह भवन जन-जन में आशा की किरण जगाने के निमित्त बनेगा।

सहरसा, बिहार। 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की राज्य अध्यक्ष अंजना सिंह , डीएम वैभव चौधरी, बिहार में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका राजयोगिनी रानी दीदी, कृष्ण भाई और बीके स्नेहा बहन ने अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही शिव ध्वजारोहण किया गया।

बड़हिया (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र की ओर से महाशिवरात्रि पर रैली निकाली गई। इसमें पहुंचे थानाध्यक्ष ब्रजभूषण सिंह का बीके रोशनी बहन और बीके निशा बहन ने परमात्मा का स्मृति चिंह भेंटक स्वागत किया। इस दौरान शिव ध्वजारोहण कर सभी को नेक राह पर चलने का संकल्प कराया गया।

ईश्वरीय प्रेम और शांति का अभिवादन स्वीकार करें

शिव आमंत्रण, लखनऊ, उप्र

ब्रह्माकुमारीज जानकीपुरम सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि मेला और द्वादश ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेला का आयोजन किया है। मेले में लोगों ने आंतरिक शांति की अनुभूति की।

केंद्रीय शहरी मंत्री कौशल किशोर ने शिवरात्रि मेले का उद्घाटन करते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति ब्रह्माकुमारियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह ब्रह्माकुमारियों की शिक्षाओं का पालन करते हैं। यह अनूठा आयोजन आत्म- प्रतिबिंब, आध्यात्मिक विकास, मन, शरीर और आत्मा के कायाकल्प के लिए एक अभयारण्य प्रदान करता है। विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि पूरे मेले का भ्रमण करेंगे तो कुछ नया जरूर मिलेगा।

बीके सुमन दीदी ने कहा कि मेले में अपने परिवारों के साथ ध्यान की विभिन्न तकनीकों और दृष्टिकोणों का पता लगाने, निर्देशित प्रशिक्षकों से सीखने और आंतरिक सद्भाव पैदा करने के उद्देश्य से अनुभवात्मक कार्यशालाओं और गतिविधियों में शामिल होने का अवसर प्राप्त करने के लिए जरूर पधारें। मेले के दौरान दस हजार से अधिक लोगों ने पहुंचकर दर्शन किए और ज्ञान लिया।

महिलाओं के लिए आयोजित की गई 'शिव भजन स्पर्धा'

शिव की महिमा के नादों से गूंजा गॉडली पैलेस

शिव आमंत्रण, महेसाणा, गुजरात

विश्व महिला दिवस पर गॉडली पैलेस सेवाकेंद्र पर 'महिला स्नेह मिलन' एवं 'शिव भजन स्पर्धा' का आयोजन किया गया। स्पर्धा के पूर्व आयोजित 'महिला स्नेह मिलन' में 500 महिलाओं ने भाग लिया। इसमें राजयोगिनी बीके सरला दीदी ने कहा आज महिलाओं को उनके स्वमान में रहने की जरूरत है। शिव शक्ति शब्द सूचित करता है कि महिलाओं में परमात्मा शिव की शक्ति समाई हुई है। 'मैं शिव की शक्ति हूँ' इस स्वमान में रहने से महिला कभी अपने को अबला महसूस नहीं करेगी

सीनियर एनेस्थेटिक डॉ. सरोज बहन, प्रवीण भाई त्रिवेदी ने नारी की गौरव गाथा सुनाकर नारी को सशक्त करने का प्रयत्न किया। तहसील स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक के अवार्ड से नवाजित वैशाली बहन त्रिकमलाल पंचाल, बीके कुसुम दीदी ने भी संबोधित किया। भजन स्पर्धा में 12 भजन मंडलियों ने हिस्सा लिया। एक मंडली में 20 से 25 महिलाएं सम्मिलित थी। सभी मंडलियों ने अपने साजों के साथ बहुत ही सुंदर शिव पर आधारित विभिन्न भजनों की प्रस्तुति दी। प्रथम तीन नंबर प्राप्त करने वाली भजन मंडलियों को पुरस्कृत किया गया। अन्य मंडलियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

शिव आमंत्रण,गुमला, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज के शिव दर्शन भवन में संचालिका बीके शांति दीदी के मार्गदर्शन में परिवहन एवं यातायात प्रभाग, जिला परिवहन विभाग एवं लोकल मीडिया न्यूज़ चैनल के संयुक्त तत्वाधान में 'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा 'अभियान के अंतर्गत रैली निकाली गई।

शिव आमंत्रण, जयपुर। जयपुर शहर के दूसरे बड़े टर्मिनल रेलवे-स्टेशन का प्रधानमंत्री ने वर्चुअल लोकार्पण किया। इस मौके परआयोजित कार्यक्रम में इन्दिरा गांधीनगर सेवाकेन्द की बीके नीलम दीदी एवं बीके सुशीला दीदी ने सांसद रामचरण बोहरा को ईश्वरीय सौगात देकर सम्मानित किया।

शिव आमंत्रण, गंजबासौदा, मप्र। पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी गुलजार दादी का तृतीय स्मृति दिवस दिव्यता दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर समाजसेविका प्रीति यादव, बीके रुक्मणी दीदी, बीके रेखा दीदी, बीके अनु दीदी, बीके नंदनी दीदी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, शिवाजीनगर, मुंबई। थाने सेवाकेंद की ओर से महिला दिवस पर माताओं के लिए तीन पैर की दौड़, नीबू चम्मच रेस, संगीत कुर्सी और भाईयों के लिए गोनी रेस रखी गई थी। इसमें समाजसेविका विशाखा खटाल ने शिरकत की। सेवाकेंद प्रभारी बीके सरला बहन ने राजयोग द्वारा खुशनुमा जीवन के सूत्र बताए।

शिव आमंत्रण, दुर्ग (छत्तीसगढ़)। ब्रह्माकुमारीज के आनंद सरोवर बघेरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि प्राप्त करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान प्राप्त शाहाना कुरैशी, नीतू श्रीवास्तव, प्रीति अजय बेहरा, सेवाकेंद संचालिका रीटा बहन, बीके रुपाली बहन मौजूद रहीं।

नवापारा-राजिम में विराट संत सम्मेलन में जुटे देशभर से संत-महात्मा, ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से किया गया सम्मान

राजयोग से शिव को प्राप्त कर सकते हैं: अत्री महाराज

शिव आमंत्रण, नवापारा-राजिम (छग)

ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से आए संत-महात्माओं ने भाग लिया। सम्मेलन में बागेश्वर धाम छतरपुर से पधारीं अरुणा भारती दीदी ने कहा कि साधु हमेशा सुगन्ध लेकर ही जाते हैं। हम लोग भिन्न-भिन्न जगह से आए हैं, सेंटर में आकर आप सब एक हो जाएं, अलग-अलग न रहें। मैं भी ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर जाती हूं और दीदियों के उद्गार सुनती हूं। मुंबई से पधारे महामंडलेश्वर प्रेमानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि बिना सत्संग के कभी भी भगवद प्राप्ति नहीं हो सकती। सत्संग की औषधि लेने आप ब्रह्माकुमारी सेंटर आइए और आपके जीवन में कल्याण होगा। आज हमको 4जी, 5जी नहीं गुरु जी चाहिए।

इंदौर जोन के धार्मिक प्रभाग के संयोजक बीके नारायण भाई ने कहा कि सन्त-महात्माओं को देखकर आंखों के साथ मन भी धन्य हो जाता है। परमात्मा पिता की याद आती है, वही संकल्प देकर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। भारत योगियों की संतों की भूमि है। संतों का प्रताप है कि आज भारत विश्व में ताकतवर बनकर खड़ा है। संतों ने अपनी साधना से भारत का मान बनाए रखा है। जब अज्ञान-अंधकार फैल जाता है, तब परमात्मा आकर ज्ञान चक्षु देकर मुक्त करते हैं। उनकी ही याद में शिव जयंती यानी शिवरात्रि मनाई जाती है।

जबलपुर से आईं डॉ. पुष्पा दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव अजन्मा, निराकार, अनादि, और गीता ज्ञान दाता हैं। निराकार परमात्मा इस अज्ञान अंधकार में डूबी दुनिया में आए हैं। गीता में भगवान ने कहा है कि मैं अणु से भी सूक्ष्म हूं। निराकार ज्योति स्वरूप परमात्मा इस धरा में उस समय आते हैं, जब धर्म की ग्लानि हो जाती है। वह इस भौतिक धरा में तो नहीं रहते। लोग आज सोच रहे हैं कि हम इस भौतिक दुनिया में बहुत खुश हैं। वास्तव में यह सारा संसार ही युद्ध का मैदान है। यहां दो कुरुक्षेत्र हैं, हमारे मन में अच्छाई और बुराई के बीच युद्ध हो रहा है। क्या यह कौरवों के मन में युद्ध होता है या पांडवों के मन में? वास्तव में पांडवों के अंदर मनोयुद्ध चलता है।

राजिम स्थित त्रिमूर्ति भवन सेंटर की संचालिका बीके पुष्पा दीदी ने कहा कि सत्संग शब्द सत्यम शिवम सुंदरम से जुड़ा हुआ है। सन्त महात्माओं के पास अपनी पवित्रता है। हर आत्मा की अपनी अपनी क्वालिटी है। क्योंकि यह सृष्टि रंगमंच है। हर आत्मा अपना पार्ट प्ले कर रही हैं। सन्त महात्मा द्वापर से भगवान को प्रत्यक्ष करने का काम कर रहे हैं। संचालन बिलासपुर से पधारीं बीके राखी दीदी ने किया। देश के कई हिस्सों से पधारे सन्त महात्मा व धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

ब्रह्मा बाबा ने शिव की शक्ति को पहचाना...

जोधपुर से पधारे अत्री महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में शिवरात्रि का बड़ा महत्व है। शिव और शंकर का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा शिव यानी निराकार, जिसका कोई आकार नहीं है। हमारे सनातन में उस परमात्मा को हम तुलसी, पीपल में देखते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने शिव की शक्ति को पहचाना है। यदि शिव से ई की मात्रा हटा दो तो वह शव है। शव को यदि पानी में डाला जाए तो वह तैरता रहता है, जबकि जिंदा आदमी डूब जाता है। यह विश्वविद्यालय यही सिखाता है कि राजयोग द्वारा शिव को प्राप्त किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ में आकर जो शांति, अपनापन, आत्मीयता मिलती वह कहीं नहीं मिलती है।

राजकोट, गुजरात। विंछिया राजकोट में जल आपूर्ति, जल संसाधन और खाद्य नागरिक आपूर्ति, पशुपालन, ग्रामीण आवास मंत्री कुंवरजी बावरिया से बीके पार्थवी बहन और ओमकार स्कूल के ट्रस्टी वल्लभभाई ने मुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही स्मृति चिंह भेंट कर स्वागत किया।

मजलिस पार्क, दिल्ली। आदर्श नगर पुलिस थाना के इंस्पेक्टर राजीव कुमार सेवाकेंद्र पहुंचे। इस दौरान बीके राजकुमारी बहन और बीके शारदा बहन ने राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

शिव आमंत्रण, मोलगी, महाराष्ट्र। गांव के बाजार में व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें बीके सरिता दीदी ने लोगों से इस शिवरात्रि व्यसनों का दान करने का आह्वान किया। इस अवसर बिल्डर प्रताप भाई सहित अन्य भाई-बहनों ने अपनी सेवाएं दीं।

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेक्टर 23 सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित शिवरात्रि कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, काउंसलर जयवीर खटाना ने भाग लिया। इस दौरान संचालिका बीके सुमन दीदी ने मंत्री को स्मृति चिंह भेंटकर स्वागत किया।

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेक्टर-21 डी द्वारा 37वें इंटरनेशनल सूरजकुंड हैंडीक्राफ्ट मेले में नशामुक्ति का स्टाल लगाया गया। इसमें करीब 1200 लोगों ने नशा मुक्ति की फ्री दवाइयां ली। दस हजार लोगों ने नशामुक्ति के बारे में संदेश प्राप्त किया। बीके प्रीति दीदी, बीके रंजना दीदी, बीके डॉ. रामकुमार, बीके डॉ. मोनिका बहन, बीके स्वीटी बहन ने अपनी सेवाएं दीं।

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र,हरियाणा। कुरुक्षेत्र ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्वविद्यालय के सभागार में अवकेनिंग दा बेस्ट सेल्फ विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी बहन ने उपरोक्त विषय पर संबोधित करते हुए खुशनुमा जीवन जीने के टिप्स बताए। बीके सरोज बहन ने सभी का आभार माना।

शिव आमंत्रण, मोकामा, बिहार। सेवाकेन्द्र पर नि:शुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मां महारानी जांच घर के निदेशक अमन कुमार, होम्योपैथी दवाओं के थोक विक्रेता राजेन्द्र कुमार को बीके निशा बहन ने ईश्वरीय सौगात प्रदान किया। मौके पर बीके गुड़िया बहन, धर्मशिला माता, छोटे बाबू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तनाव मुक्त व खुशहाल जीवन कार्यक्रम

सुबह की शुरुआत ईश्वर की याद से करें : शिवानी दीदी

शिव आमंत्रण, करनाल, हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज़ करनाल सेक्टर 7 द्वारा तनाव मुक्त व खुशहाल जीवन जीने का रास्ता विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक व मोटिवेशनल वक्ता बीके शिवानी ने कहा कि अगर अपने जीवन के संकल्पों को सकारात्मक व मजबूत कर ले तो संकल्प से सिद्धि को प्राप्त कर सकता है। विचारों से हर प्रकार की नकारात्मकता खत्म करने, अपनी मन की स्थिति को मजबूत करने ताकि परिस्थिति मन की स्थिति पर हावी न हो, स्वयं को शांत चित व मजबूत आत्मा समझने, सुबह की शुरुआत ईश्वर की याद से करने, दिन भर अनेक बार हर उस व्यक्ति व वस्तु का शुक्रिया करे जिसने आपको कुछ भी अच्छा दिया, स्वयं को बीमार की बजाय स्वस्थ महसूस करें, जीवन में कुछ भी गलत होने पर किसी और पर दोषारोपण न करने जैसे अमूल्य गुणों के धारणी होने की शिक्षा दी व इसका तरीक़ा बताया। करनाल जोन की प्रमुख बीके प्रेम ने कहा कि सभी शिवानी दीदी द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को प्रैक्टिकल रूप में धारण करें। घरोंडा के विधायक हरिंदर कल्याण ने हरियाणा सरकार की ओर से बीके शिवानी का स्वागत किया।

मोटिवेशनल स्पीकर स्वामीनाथन भाई ने बढ़ाया सभी का उत्साह

प्रकृति और संस्कृति को साथ लेकर चलने से बनेगा समृद्ध समाज: पटेल

शिव आमंत्रण, भुज, गुजरात

ब्रह्माकुमारीज के अय्या नगर सेवाकेंद्र व समाज सेवा प्रभाग द्वारा टाउन हॉल में समृद्ध समाज की नींव तनाव मुक्त जीवन विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विधायक केशुभाई पटेल ने कहा कि समृद्ध समाज की नींव हमारे श्रेष्ठ कर्म द्वारा ही रखी जाती है। हम सबकी यही कामना होती है कि हमारा समाज समृद्ध बने, तनाव मुक्त बनें व एक-दूसरे के सहयोगी बनें। आगे उन्होंने कहा कि समाज सेवा देश का ऐसा क्षेत्र है जिसमें हर व्यक्ति किसी न किसी रूप अवश्य ही जुड़ा होता है।

मोटिवेशनल स्पीकर व समाज सेवा प्रभाग के जोनल को-ऑर्डिनेटर बीके स्वामीनाथन भाई ने कहा कि प्रकृति का यह नियम है हर रात के बाद एक नया सवेरा जरूर आता है। सही क्या है, गलत क्या है, बच्चे को मालूम है। उन्हें कुछ भी अलग से बताने की आवश्यकता नहीं है। हम बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर आदि बनाने की बहुत कोशिश करते हैं लेकिन जीवन कैसे जीना है ये बताना भूल जाते हैं। हम शिक्षक और माता-पिता बच्चे को जीवन के बारे में कुछ नहीं बता पाते हैं इसलिए बच्चे जीवन के बारे में गूगल में ढूंढ़ते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में भावनाएं समाप्त होती जा रही हैं। जबकि बच्चा जीवन में जब भी निराश होगा तब आपकी भावनाएं ही उसको शक्ति देती है। स्वामीनाथन भाई ने खेल-खेल में राजयोग का अभ्यास कराया।

गांधीधाम सेवाकेंद्र की संचालिका बीके भारती दीदी ने कहा कि आत्मा को शक्तिशाली बनाने के साथ-साथ हमें अपने मन पर भी ध्यान देना होगा। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई, कच्छ मित्र न्यूजपेपर के संपादक दीपक माकड़, विनोद सोलंकी, डॉ. मुकेश चंदेल, बीके किरण बहन, बीके बाबू भाई ने भी विचार व्यक्त किए।

ब्रह्माकुमारीज एवं बोर्गवॉर्नर कंपनी ने किया पौधारोपण

गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर एवं बोर्ग वॉर्नर कम्पनी के तत्वावधान में बहोड़ा कलां स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पौधारोपण किया गया। 'कल्प-तरुह' अभियान के तहत हुए कार्यक्रम में कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारियों सहित ब्रह्माकुमारीज के अनेक सदस्य मौजूद रहे। बहोड़ा कलां के सरपंच मनवीर सिंह भी उपस्थित थे। बीके ख्याति ने कहा कि दो वर्षों में अभियान के अंतर्गत 18 लाख से भी अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। संस्था द्वारा एक मोबाइल एप बनाया गया है। जिसमें पौधा लगाने से लेकर उसके संरक्षण तक का पूरा विवरण प्राप्त किया जा सकता है। प्रकृति से हमारा गहरा संबंध है। हमारे विचारों का प्रभाव प्रकृति पर पड़ता है। हमारे विचारों की सुंदरता ही प्रकृति को सुंदर बनाती है। बोर्गवॉर्नर कम्पनी के प्रबंधक(इएसजी) राहुल परमार, शिक्षिका सुनीता पंवार, बीके भीम, बीके अशोक, बीके धर्मा, बीके रेखा, बीके मोनिका, बीके रौनक मौजूद रहे।

पांच दिवसीय प्रवचनमाला

स्वयं में बदलाव लाने के लिए दें प्रधानता

शिव आमंत्रण, बीदर,कर्नाटक।

सकारात्मक परिवर्तन वर्ष थीम के अंतर्गत रामपुरे कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा पांच दिवसीय प्रवचनमाला आयोजित की गई। इसमें में बीके प्रो. ईवी गिरीश कहा कि व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आध्यात्मिकता की आवश्यकता होती है। आध्यात्मिक पथ पर जीवन को उत्सवमय बनाने के लिए प्रेम, सद्भाव, सहनशीलता, मधुरता आदि गुणों की आवश्यकता होती है। स्वयं में बदलाव लाने को प्रधानता देना है, दूसरों को बदलने की इच्छाओं का त्याग करना बेहद जरूरी है।

विधायक शैलेंद्र बेलदाले ने कहा कि जीवन में सुख शांति चाहते हैं तो दो बातों का त्याग करना जरूरी है एक अहंकार और दूसरा जेलेसी। संत-महात्माओं ने भी अपने वचनों में जीवन की सच्ची राह बताई है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने निस्वार्थ भावना से समाज के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उनका जीवन सर्व के लिए प्रेरणादाई है।

सेवाकेंद्र संचालिका राजयोगिनी बीके सुमंगला दीदी, बीके सुनंदा दीदी, बीके पार्वती दीदी ने भी संबोधित किया। नाट्य श्रीअकेडमी के कलाकारों ने सुंदर विनायक जन्म कथा के माध्यम से नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। इस मौके पर जगन्नाथ महाराज, ट्रस्टी दत्ता टेंपल, एसपी शिवन गौड़ा पाटिल, चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज चेयरमैन बीजी शेटकार मौजूद रहे।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

जीवन का हिस्सा हो 'स्वाध्याय'

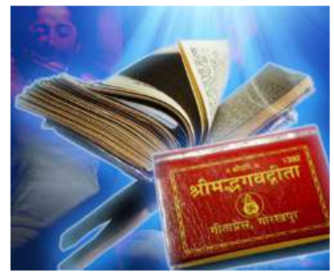

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। स्वाध्याय अर्थात् स्वयं अध्ययन करना। अध्यात्म की गहराई, अनुभूति और आनंद की अवस्था के करीब जाने के लिए स्वाध्याय एक अहम कड़ी, सीढ़ी या जरिया है। अध्यात्म का मार्ग वृहद, व्यापक और विस्तृत है तो स्वाध्याय अध्यात्म के पथिक के लिए एक साधन है। यह जितना गहन, विवेकपूर्ण, सारयुक्त और लक्ष्य प्राप्ति के लिए युक्तियुक्त होगा, उतना ही फलदायी और सार्थक सिद्ध होता है। सिर्फ ज्ञान अर्जन के लिए धर्मग्रंथ, शास्त्र या प्रेरक पुस्तके पढ़ लेना स्वाध्याय नहीं है, वरन उन पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान का मनन-चिंतन कर, उसे अपने अनुभवों की कसौटी पर उतारकर नए विचार की उत्पत्ति और व्यवहार से कर्मों में उसका चित्रण ही स्वाध्याय की सार्थकता है।

जब हम किसी एक लक्ष्य को लेकर पूरे मनोभाव से दृढ़ संकल्पित होकर मंजिल तक पहुंचने के लिए जुट जाते हैं और इस मार्ग में मनन-चिंतन, अध्ययन और अनुभव से जो सीखते हैं और उस ज्ञान को व्यावहारिकता में लाकर कर्मों में प्रवीण करते हैं तो यह स्वाध्याय की चरमोत्कर्ष अवस्था है। इतिहास पर नजर डालें तो वैज्ञानिकों ने संबंधित विषय पर वर्षों के अध्ययन, शोध और अनुभव के आधार पर ही आविष्कार या नया सिद्धांत प्रतिपादित किया है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक न्यूटन, आइंस्टाइन ने जो किया वह स्वाध्याय के बल से ही किया, उन्हें कोई गुरु नहीं था जो राह बताए। ऋषि-मुनियों को वेद का ज्ञान गुरु से नहीं बल्कि स्वाध्याय से ही मिला है। इसमें हम विषय का तर्क करते, अर्थ निकालते, चिंतन करते हैं। इससे हमारे विचारों का आदान-प्रदान करने की क्षमता भी बढ़ती है। भाषण कला, लेखन और नेतृत्व कला का विकास होता है। बुद्ध का प्रसिद्ध विचार है- आत्म दीपो भवः अर्थात् अपना दीपक स्वयं बनें।

मन की मलीनता दूर कर सबल बनाता है-

स्वाध्याय से मन की मलीनता दूर हो जाती है। मन प्रबल, शक्तिशाली और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर हो जाता है। हमने जो ज्ञान अर्जन किया है, मनन-चिंतन करके और अपने अनुभवों से जो सीखा वह ज्ञान समस्याओं या परिस्थितियों के समय हमारी ढाल बन जाता है। फिर हमें वह परिस्थिति या घटना नगण्य लगने लगती है। यहां उस परिस्थिति पर हम इसलिए विजय पा लेते हैं क्योंकि मन मजबूत था। मन, मस्तिष्क की खुराक है ज्ञान और ज्ञान की प्राप्ति बिना अध्ययन, मनन-चिंतन के नहीं हो सकती है। पढ़ा हुआ ज्ञान सिर्फ मस्तिष्क तक सीमित रहता है, जबकि उसी ज्ञान का उपयोग जब कर्मों में किया जाता है तो वह शक्ति, ताकत, ऊर्जा, मार्गदर्शक बन जाता है। यही ज्ञान की सार्थकता है। सद्ज्ञान हमें ईश्वर के समीप ले जाता है।

... ताकि आने वाली पीढ़ी ज्ञानवान और विवेकवान हो-

मानसिक समस्याएं और कुछ नहीं हमारे अज्ञान-अंधकार का ही परिणाम हैं, जिन्हें सही ज्ञान से दूर किया जा सकता है। सूचना क्रांति के इस युग में हम भौतिकता की चकाचौंध में इतने डूब गए हैं कि स्वाध्याय के लिए समय ही नहीं है। स्मार्ट फोन और अंगुलियों की जुगलबंदी मस्तिष्क को विचारहीन बना रही है। महान व्यक्तित्व एक दिन में तैयार नहीं हो जाते हैं, उसके पीछे उनका वर्षों का ज्ञानार्जन, ध्यान, साधना, लगन और परिश्रम होता है। समय की जरूरत है कि युवा पीढ़ी और बच्चों को माता-पिता नियमित सद्साहित्य, धर्मग्रंथ, प्रेरक साहित्य के अध्ययन की आदत डालें ताकि आने वाली पीढ़ी ज्ञानवान और विवेकवान हो।

अध्यात्मप्रेमियों के लिए अमृत है स्वाध्याय-

जैसे शरीर को चलाने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है, वैसे ही अध्यात्म के पथिकों के लिए स्वाध्याय जरूरी है। बिना स्वाध्याय के अध्यात्म का रास्ता दुर्लभ और कठिन है। इससे हमें स्व की रुचि, अरुचि, कमी-कमजोरी, नकारात्मक आदतें और अपने आपको जानने की समझ विकसित होती है। जितना हम किसी विषय की गहराई में उतरते जाते हैं हमारा ज्ञान भंडार उतना विशाल होता जाता है। व्यक्तित्व में गहराई और ठहराव आ जाता है। दुनिया को देखने के नजरिया बदल जाता है। योग, सत्संग, मनन-चिंतन और पठन-पाठन सब स्वाध्याय के ही अंग हैं। स्वाध्याय ज्ञानवान पुरुष की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा होता है।

अपनी घोट तो नशा चढ़े...

परमात्मा के महावाक्य हैं- अपनी घोट तो नशा चढ़े अर्थात् परमात्मा ने जो हमें ज्ञान रूपी खजाने दिए हैं उसे मनन शक्ति से कार्य में लगाकर प्राप्तियों की अनुभूति करेंगे तो नशा चढ़ेगा अर्थात हमें उसका महत्व पता चलने से गर्व और महानता की अनुभूति होगी। सामान्यतः लोगों में ज्ञान सुनने के समय नशा रहता है, लेकिन सदा नहीं रहता है? इसका कारण है कि मनन शक्ति से उस ज्ञान को सदा के लिए अपना नहीं बनाया है। मनन शक्ति अर्थात् सागर के तले में जाकर अन्तर्मुखी बन हर ज्ञान रत्न की गुह्यता में जाना। ज्ञान के उन वाक्यों का चिंतन रूपी मथनी से अमृत रूपी दही बनाना। यह निरंतर अभ्यास, सतत् प्रयास और परिश्रम से ही संभव है। ज्ञान मंथन से ही अमृत को प्राप्त किया जा सकता है।

यहां प्रत्येक राजयोगी खुद को मानता है विद्यार्थी-

ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान से व्यक्तित्व निर्माण के पीछे यहां की एक व्यवस्थित, संयमित, मर्यादित दिनचर्या और सत्संग (मुरली क्लास) है। यहां एक दिन से लेकर 50 साल से राजयोग का अभ्यास कर रहे राजयोगी खुद को विद्यार्थी मानकर ही चलते हैं। विद्यार्थी अर्थात् जिसके जीवन का एक ही मकसद है विद्या अध्ययन। इसलिए यहां से जुड़ने वाला प्रत्येक व्यक्ति इस ज्ञान को पहले अपने जीवन में आत्मसात कर खुद में सकारात्मक परिवर्तन लाता है और फिर अपने जीवन और अनुभव के आधार पर दूसरों को प्रेरित करता है। परिवर्तन का आधार ज्ञान ही है। हमारा ज्ञान जितना व्यापक होगा, जीवन उतना ही आसान और सरल हो जाएगा।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी उतना ही ध्यान देना होगा

खुशी को समझें, उसे अपने जीवन में धारण करें, मैं खुश कैसे रह सकता हूं, इन बातों पर विचार करें। हमारी खुशी कहीं बाहर से मिलेगी? या किसी और के साथ संबंधों में मिलेगी या किसी भौतिक प्राप्ति से मिलेगी, लेकिन सच यही है कि खुशी मेरे अपने ही अंदर है।

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज की टीवी ऑइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

जीवन प्रबंधन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

जीवन में हम बहुत सी चीजें देखते हैं और उनसे बहुत कुछ प्राप्त भी करते हैं। हमारे कई सपने होते हैं जो जीवन से जुड़े होते हैं परिवार से जुड़े होते हैं, बच्चों से जुड़े होते हैं अपने कैरियर को लेकर के होते हैं, उन्हें प्राप्त करते जाते हैं। हर प्राप्ति हमें कहीं न कहीं संतुष्टि अवश्य देती है और खुशी का एहसास कराती है। लेकिन आज हम देख रहे हैं कि जीवन में उन सभी आशाओं से गुजरते-गुजरते कहीं न कहीं हमारी खुशी कम होती जा रही है। खुशी मिली और अगले ही पल चली भी गई। फिर हम उसे दोबारा ढूंढने की कोशिश करते हैं।

खुशी क्या है? उसे समझें और अपने जीवन में धारण करें। मैं खुश कैसे रह सकता हूं? क्या मैं कभी यह जान पाता हूं कि वो कौन सी ऐसी बातें हैं जो मुझे खुशी देती हैं? खुशी कहीं बाहर से मिलेगी, किसी और के साथ संबंधों में मिलेगी, किसी भौतिक प्राप्ति से मिलेगी या फिर मेरे अपने ही अन्दर है!

खुशी कहीं न कहीं मिलती है, फिर चली जाती है, फिर मिलती है और फिर चली जाती है। सारे दिन में कई परिस्थितियां आती हैं, सारा दिन क्या है? यह परिस्थितियों की एक श्रृंखला है जो लगातार चलती ही रहती है। जैसे कोई फिल्म चल रही हो। एक दृश्य के बाद दूसरा दृश्य आता है। कोई मेरे पक्ष में होगा तो कोई दृश्य मेरे पक्ष में नहीं होगा। इसी प्रकार कोई व्यक्ति मेरे पक्ष में होगा तो कोई नहीं भी होगा। अर्थात् जैसे मैं चाहती हूं, वैसे कोई चलेगा और कोई नहीं भी चलेगा। इसका मुख्य कारण यही है कि हमारी खुशी व्यक्ति और लोगों के ऊपर निर्भर कर रहे हैं। इसलिए खुशी मिलती है फिर चली जाती है। अर्थात् एक दृश्य आया बहुत अच्छा, बच्चे समय पर सुबह उठ गए, तैयार भी हो गए और स्कूल चले भी गए तो इससे मुझे खुशी मिली। दूसरा दृश्य आया कि बच्चे समय पर तैयार तो हो गए लेकिन उनको लेने के लिए बस ही नहीं आई तो मुझे गाड़ी से छोड़ने के लिए जल्दी-जल्दी जाना पड़ा।

पहले वाले दृश्य में खुशी थी, लेकिन दूसरे दृश्य में खुशी गायब हो गई। फिर अगला दृश्य आता है कि समय पर फिर भी स्कूल में पहुंच तो गए, बहुत अच्छा लेकिन अगला दृश्य में पहुंचते ही याद आया कि जो गृहकार्य किया था वो नोटबुक तो घर पर ही रह गई। ये सारे ऐसे दृश्य हैं जो मेरे मानसिक संतुलन पर प्रभाव डालते हैं। क्योंकि मैंने अपने मन का नियंत्रण पूरी तरह से जैसे-जैसे परिस्थितियों के हाथ में दिया हुआ है। तब मैंने सोचा कि ये सब तो स्वाभाविक ही है कि जैसे-जैसे परिस्थिति और लोग बदलते जाएंगे, मेरी सोच, मेरी अनुभूति उनके अनुसार बदलती जाएगी। इसलिए हमें कभी खुशी मिलती है तो कभी गम मिलता है और हम उसे स्वीकार कर लेते हैं। हम अपने मन की शक्ति को परिस्थितियों को देते गए...देते गए... परिस्थितियां दिन-प्रतिदिन चुनौतीपूर्ण होती गईं। कभी अनुकूल, कभी अशांति का जो प्रतिशत था वह बढ़ता गया। जिसके कारण हमारे जीवन में स्थिरता कम और अशांति ज्यादा हो गई। सब परिस्थितियों को संभालने के लिए शारीरिक शक्ति भी चाहिए। लेकिन पहले मैं अपनी शारीरिक क्षमता को देखूं या परिस्थिति को संभालूं? तो जवाब मिलता है कि शारीरिक क्षमता के प्रति कुछ नहीं सोचना है, मुझे तो परिस्थिति पर ही सारा ध्यान केंद्रित करना है।

इमोशनल हेल्थ को देना होगा महत्व...

एक है शारीरिक रुप से शक्तिहीन होना और एक है भावनात्मक रुप से शक्तिहीन होना। अगर हम भावनात्मक स्वास्थ्य इमोशनल हेल्थ को भी उतना ही महत्व दें कि ये सब परिस्थितियां और भावनात्मक स्वास्थ्य अलग-अलग नहीं है। यदि मैं भावनात्मक रुप से स्वस्थ हूं तो परिस्थितियों को बहुत ही सरलता से पार कर सकती हूं। पहले हम क्या करते हैं, परिस्थिति को संभालने के बारे में सोचते हैं। यहां पर एक बात और आती है कि हमने शारीरिक स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करना शुरु किया। ये सोचकर कि ये स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। एक जागरुकता आनी शुरु हुई है कि मुझे क्या खाना, क्या नहीं खाना है। किस समय पर खाना है और उसके लिए कितना व्यायाम करने की आवश्यकता है।

मुझे यह पता है कि मैं शारीरिक क्षमता से ही परिस्थिति को हैंडल कर सकती हूं। इसके लिए हमें शरीर को समय पर भोजन भी देना चाहिए। आप एक दिन भोजन छोड़ देगें, दो दिन छोड़ देंगे, लेकिन कितने दिन तक छोडेंगे! यदि हमारा स्वास्थ्य अच्छा होगा, तभी हम ठीक तरह से काम कर पाएंगे। लेकिन कहीं न कहीं हमने भावनात्मक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य से अलग कर दिया है। अगर उसको भी हम जीवन में उतनी ही प्राथमिकता दें जितना कि शारीरिक स्वास्थ्य को देते हैं तब हम जीवन की यात्रा में ठीक तरह से चल पाएंगे। आजकल लोग शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में इतना क्यों सोच रहे हैं? क्यों इतना ध्यान रखा जा रहा है? आजकल भावनात्मक दबाव इतना ज्यादा है कि कोई न कोई समस्या शरीर के साथ चलती ही रहती है। इसका कारण यह है कि हमने आत्मा का ध्यान ही नहीं रखा। अगर हम आत्मा का भी ध्यान रखें तो मन पर जो इतना ज्यादा दबाव है, इसके लिए मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।

शिव आमंत्रण, माउंट आबू। आंतरिक सुरक्षा अकादमी में पिछले 35 से अधिक वर्ष से राजपत्रित अधिकारियों को सकारात्मक सोच द्वारा तनाव प्रबंधन मेडिटेशन व योग, स्वस्थ रहने की जीवन कला सिखा रहीं डॉ. बीके बिन्नी बहन को आंतरिक सुरक्षा अकादमी के स्थापना के 50वें वर्ष पर आयोजित समारोह में सम्मानित

शिव आमंत्रण, भोपाल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के कृष्णा नगर सेवाकेंद्र की संचालिका बीके मधु बहन को यूथ विंग विमेंस ग्रुप मप्र शासन द्वारा आध्यात्मिक क्षेत्र में की जा रहीं सेवाओं पर सम्मानित किया। वूमेंस ग्रुप के अध्यक्ष और साथी पेस्टी मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी के वाइस प्रेसिडेंट ने मोमेंटो प्रदान किया।

शिव आमंत्रण, बिलासपुर, छग। भारत विकास परिषद्, वीरांगना इकाई, बिलासपुर द्वारा डॉ. सरोजनी नायडू के जन्मदिवस पर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में योगदान देने वाली 15 ओजस्वी महिलाओं का सम्मान किया गया। आध्यात्म के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए टिकरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके मंजू दीदी को डॉ. सरोजनी नायडू पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

शिव आमंत्रण, इरकुत्स्क, रूस। इरकुत्स्क क्षेत्रीय कला संग्रहालय के सूचना और शैक्षिक केंद्र की परियोजना का नाम ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग सेवाकेंद्र के सहयोग से वीपी सुकाचेव के नाम पर रखा गया है। इस परियोजना का मकसद है लोगों को उनके सपनों को साकार करने में मदद करना, आध्यात्मिक ज्ञान को व्यावहारिक जीवन में कैसे उतारा जाए इसका मार्गदर्शन प्रदान करना है।

रशियन कलाकारों ने भारतीय गीतों पर दी प्रस्तुति

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज़ रशिया के डिवाइन कल्चर ग्रुप द्वारा पानीपत ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इसमें एक हजार से अधिक शहरवासी और आसपास के गाँववालों ने भाग ने लिया। इस मौके पर पानीपत सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी बीके सरला दीदी, रशिया से आर्टिस्ट ग्रुप के साथ पधारी निदेशिका ब्रह्माकुमारी संतोष दीदी, जीआरसी निदेशक बीके भारत भूषण, ग्लोबल हॉस्पिटल माउंट आबू की डॉ. बिनी बहन, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एडवाइजरी काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. अन्थोनी राजू सहित स्थानीय सेवाकेंद्रों की इंचार्ज बहनें भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में रशियन कलाकारों ने भारतीय देशभक्ति से जुड़े गीत जैसे देश रंगीला आदि पर जोरदार प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा भगवान शिव की महिमा के गीतों और रशियन गीतों पर उन्होंने नृत्य पेश किया।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 March. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः ब्र.कु. कोमल » संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र